मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 08
सोमवार, 14 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की मिसिंग लिंक परियोजना आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार है: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 13 जुलाई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की निमार्णाधीन मिसिंग लिंक परियोजना को आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार बताया और कहा कि यह घाट खंड के लिए एक उपमार्ग होगा।

उन्होंने इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा के बाद कहा कि परियोजना के पूरा हो जाने के बाद मुंबई और पुणे के बीच यात्रा समय में लगभग 30 मिनट की कमी आने तथा दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। लगभग 94 किलोमीटर लंबे व्यस्त मार्ग पर अमृतांजन ब्रिज खंड पर अक्सर यातायात जाम की स्थिति

बनी रहती है।

अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना में भारत की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग शामिल है, जिसकी लंबाई नौ किलोमीटर और चौड़ाई 23 मीटर होगी। उन्होंने कहा कि इसमें 185 मीटर ऊंचा देश का सबसे ऊंचा सड़क पुल भी शामिल होगा।

उन्होंने कहा कि अब तक 94 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष निर्माण कार्य भी शीघ्र ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में समर्पण के लिए अभियंताओं और श्रमिकों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि मिसिंग लिंक के चालू होने से मुंबई और पुणे के बीच यात्रा का समय 30 मिनट कम हो जायेगा। उन्होंने कहा कि यह घाट खंड के लिए एक उपमार्ग होगा, जिससे दुर्घटनाएं कम होंगी, ईंधन दक्षता बेहतर होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने परियोजना को आमूल-चूल बदलाव लाने वाला बताया।

भूमिहीनों के बहुसंख्यक हिंदू-असमिया मुसलमानों के क्षेत्रों में बसने के पीछे हो सकती है साजिश : हिमंत विश्व शर्मा

असम, 13 जुलाई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि भूमि कटाव से प्रभावित और भूमिहीन लोगों के अपने मूल स्थानों से 200-300 किलोमीटर दूर जाकर उन क्षेत्रों में बसने के पीछे एक षड्यंत्र हो सकता है, जहां हिंदू या असमिया मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर उनकी सरकार ने अतिक्रमण की गयी भूमि को हटाने के लिए अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया था वहां लोगों के इस तरह के पलायन के कारण जनसांख्यिकीय संतुलन खतरे में पड़ गया है।अतिक्रमण रोधी अभियान में हटाए गये लोगों में से अधिकांश बांग्ला भाषी मुसलमान हैं। शर्मा ने कहा, हमारा मुद्दा यह है कि वे 200-300 किलोमीटर

दूर उन जगहों पर क्यों जा रहे हैं जहां हिंदू या असमिया मुसलमान रहते हैं। नतीजतन हमारे लोग असुरक्षा से जूझ रहे हैं। इसलिए मुद्दा सिर्फ अतिक्रमण रोधी अभियान का नहीं है, बल्कि इसके साथ ही हमें अल्पसंख्यक बनाने की एक छिपी हुई साजिश का भी है।राज्य सरकार ने इस सप्ताह के दौरान धुबरी और गोलपारा जिलों में दो बड़े अतिक्रमण रोधी अभियान चलाकर आरक्षित वनों सहित 4,500 बीघा से अधिक अतिक्रमण वाली भूमि को खाली कराया। मुख्यमंत्री ने कहा, चाहे यह साजिश हो या गरीबी या इसके पीछे राजनीतिक लोग हों, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वनों सहित विभिन्न स्थानों पर लगभग 8 लाख बीघा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, पांच घायल

राजगढ़, 13 जुलाई। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर पचोर के देहरी जोड़ के पास ओवरब्रिज पर एक कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा जाने से यह हादसा हुआ।

पचोर थाना प्रभारी शकुंतला बामनिया ने बताया कि कार देहरी जोड़ ओवरब्रिज पर पहुंची ही थी कि चालक को झपकी आ गई और गाड़ी डिवाइडर से जा

टकराई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मुकेश बारेला (28) और देवेंद्र बारेला (40) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि सभी घायलों का पचोर अस्पताल में प्राथमिक इलाज कराया गया और फिर उन्हें राजगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बामनिया ने बताया कि कार में सवार सभी लोग गुना जिले के बमोरी के मैदा और माना गांव के निवासी थे और वे एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर बड़वानी के पानसेमल से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं और पचोर पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

भीषण बारिश और तड़तड़ाती बिजली भी नहीं रोक सकी आस्था की धार

- सावन के पहले सोमवार की मंगला आरती में उमड़े लाखों श्रद्धालु
- शिवभक्तों ने बारिश में भी डटे रहकर किया बाबा विश्वनाथ का जयघोष
- प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, सुरक्षा व दर्शन की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद

सुरेश गांधी

वाराणसी। मंगला आरती के समय बारिश की धार हो या बिजली की गर्जना-काशी के शिवभक्तों की आस्था अडिग रही। श्रद्धा का यह सैलाब सावन में हर सप्ताह इसी तरह उमड़ने वाला है, और प्रशासन इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। वैसे भी सावन का पहला

सोमवार हो और काशी की गलियों में शिवभक्ति की गूंज न हो, यह कैसे संभव है? लेकिन इस बार शिवभक्तों की भक्ति ने प्रकृति की हर चुनौती को पीछे छोड़ दिया। रविवार भोर में जब काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती की शुरूआत हो रही थी, उसी समय तेज बारिश और बिजली की गर्जन भी वातावरण में फैली थी। बावजूद इसके, श्रद्धालु कतार में अडिग खड़े रहे। भीगते हुए भक्तों ने न सिर्फ दर्शन की प्रतीक्षा की, बल्कि हर हर महादेव के जयघोष से बाबा के धाम को गुंजायमान कर दिया। गीले वस्त्र, कांपते कदम और ठंड से सिकुड़ते बदन भी उनकी श्रद्धा को डिगा नहीं सके। यह श्रद्धा का वह रूप था, जिसे देखने खुद आसमान भी झुकता दिखा।

एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि सावन के पहले सोमवार को लाखों श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ड्रोन से निगरानी, जगह-जगह बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस, पीएसी, सीआरपीएफ के अलावा बाहरी जनपदों से भी फोर्स बुलाई गई है। श्रद्धालुओं के गुम होने से बचाव के लिए गोदौलिया और मंदिर परिसर में खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं।

सावन के पहले सोमवार को भारी भीड़ को देखते हुए मैदागिन से गोदौलिया तक और अन्य प्रमुख रूटों पर नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है।

मानसून सत्र में कांग्रेस की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए सोनिया गांधी ने बुलाई 15 जुलाई को बैठक

नई दिल्ली, 13 जुलाई। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के वास्ते मंगलवार को एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगी।

संसद के मॉनसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की योजना बहा रही है। विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता पतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी।

सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा, जो पहले से तय समय से एक सप्ताह ज्यादा है। इससे बड़ी विधायी कार्यसूची का संकेत मिलता है। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। लंबी अवधि वाला सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने सहित कई प्रमुख विधेयक लाने की योजना बना रही है।

सरकार, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम और परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने संबंधी केंद्रीय बजट की घोषणा पर अमल किया जा सके। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर रहा है।विपक्षी दल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त कराने में मध्यस्थता का दावा किया है।

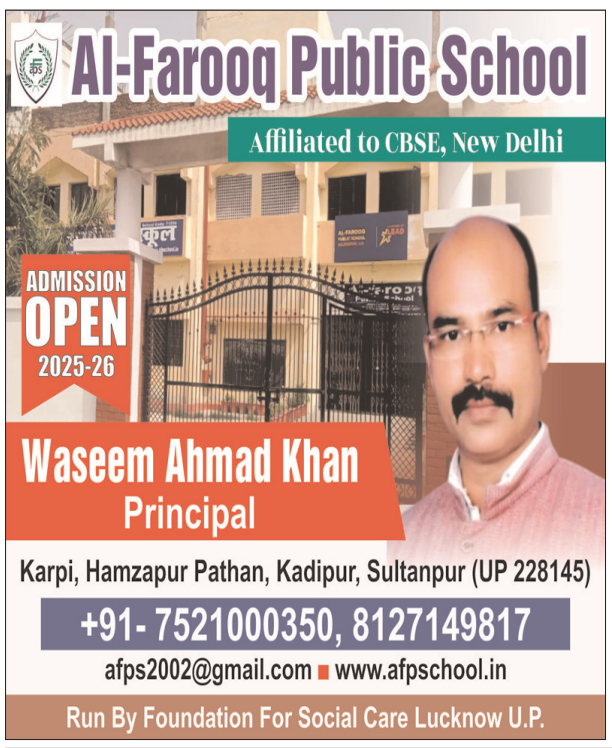

भाषा विवाद अपनी राजनीति चमकाने और अस्तित्व के लिए

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने पर मराठी भाषियों के एक वर्ग द्वारा विरोध और मारपीट करने की घटनाएं और कुछ नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मुद्दे की आड़ लेकर अपनी राजनीतिक जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की कोशिश है। यह परिपाटी बन गई है कि जब भी लगे कि जनता को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो भाषा की लड़ाई शुरू कर दो और यह केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, देश भर में यह पैंतरा अपनाया जाता है। इससे किसका लाभ होता है, इसे समझना होगा। भाषाओं का संगम : भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आए मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिलकर हिंदुस्तानी हो गई और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी। जिन प्रदेशों में उनकी अपनी भाषाओं का बोलबाला था, उन पर भी अंग्रेजी लाद दी गई। महात्मा गांधी को अंग्रेजों की चाल समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने देखा कि हिंदी एक बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है लेकिन पूरे देश में नहीं। उन्हें लगा होगा कि हिंदी को सर्वमान्य और पूरे देश को जोड़ कर रखने वाली भाषा बनाया जा सकता है, क्योंकि लडा है तो अपनी एक भाषा तो होनी ही चाहिए। अगर हिन्दी को स्वीकार्य भाषा बनाना है तो सबसे पहले उन राज्यों में इसे पहुंचाना होगा, जहां उनकी अपनी भाषाएं समृद्ध तो हैं लेकिन उनके देशव्यापी बनने की संभावना नहीं है और हिंदी अपने विविध रूपों में आधे भारत द्वारा बोली और समझी जाती है।

आजादी की लड़ाई में हिंदी का प्रयोग सब जानते हैं। स्वतंत्र हुए तो कुछ नेताओं पर अंग्रेजी का नशा सिर चढ़कर बोल रहा था और वे इसमें पारंगत होने की लालसा के अतिरिक्त अंग्रेजों को यह दिखाने में लगे रहते थे कि उनके जाने के बाद उन्होंने इसे पूरे देश की भाषा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो अहिन्दी भाषी हिंदी सीखकर यह उम्मीद लगाए बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी होगी, उन्हें भारी झटका लगा क्योंकि हिंदी की कद्र तो हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं थी बल्कि सब जगह अंग्रेजी का बोलबाला था। इससे उन्हें अपने साथ धोखा हुआ जैसा लगा और उन्होंने हिंदी के विरोध में झंडा उठा लिया, अपनी आवाज को इतना बुलंद किया कि देश भर में हिंदी विरोध की लहर फैल गई। सरकार की अक्षमता : सरकार की नीति के अनुसार व्यावहारिक रूप से सभी प्रशासनिक कार्य केंद्र और सभी राज्यों में अंग्रेजी में होने लगे लेकिन क्योंकि हिंदी को भी कानून में अंग्रेजी के बराबर रखा गया था, इसलिए लीपापोती भी करनी थी। विद्वानों की ऐसी मंडली बनाई, जिसने अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में ऐसा भ्रष्ट और घटिया अनुवाद किया कि उन्हें बोलना भी मुश्किल था। उल्लेखनीय यह है कि ये सब अंग्रेजी में ही काम करते थे और उसी के पैरोकार थे लेकिन नाम हिंदी का लेते थे। ऐसे में हमारी जो क्षेत्रीय भाषाएं थीं, वे अलग-थलग पड़कर अपनी पहचान बनाने का संघर्ष करने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि वे अपने प्रदेश में हिंदी प्रदेशों से नौकरी या व्यापार करने आए लोगों का विरोध करने लगे। मराठी न बोल पाने पर पिटाई कर देना इसका ही उदाहरण है।

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है। क्या महाराष्ट्र में हिंदी के बिना सिनेमा बन सकता है? तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में हिंदी के बिना काम चल सकता है? अन्य राज्यों की भाषाएं हिंदी के सहयोग बिना क्या अपना विस्तार कर सकती हैं? हिंदी में अनुदित या रूपांतरित होकर सभी भाषाओं का श्रेष्ठ और राष्ट्रीय तथा विश्व स्तरीय साहित्य यदि पुस्तकों, नाटकों तथा सिनेमा के माध्यम से प्रसारित होता है तो इसका अर्थ यह है कि सभी भाषाएं इसके वर्चस्व को स्वीकार करती हैं। लेकिन यह बात राजनीतिज्ञों को सबसे ज्यादा अखरती है कि उनके प्रदेश में, मिसाल के तौर पर हिंदी और मराठी भाषी लोग कैसे एक-दूसरे के साथ गलबहियां करते हैं और मिलजुल कर काम करते हैं। इस बात से किसी को कोई आपत्ति नहीं है कि उनके प्रदेश में उनकी भाषा को प्रोत्साहन मिले लेकिन यदि इसके साथ ही हिंदी को भी रखा जाए तो इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी, इसका विरोध क्यों होता है? राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और यह तब ही हो सकता है जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें। सरकार की मजबूरी : यह संयोग नहीं एक प्रयोग था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को यह आदेश देना पड़ा कि जब तक अहिन्दी भाषी राज्य न चाहें, अंग्रेजी सरकारी कामकाज की भाषा बनी रहेगी। आज तक यही कायम है। इससे हिंदी की प्रतिष्ठा तो कम हुई ही, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं को भी कुछ नहीं मिला। वे सभी अंग्रेजी के अधीन काम करती हैं। तीन भाषाएं पढ़े की नीति शुरू से गलत साबित हुई क्योंकि इसे अमल में लाने के लिए दोगली नीति अपनाई गई। हिंदी थोपे जाने का भ्रम इसी नीति ने पैदा किया। लोग भाषा को लेकर एक दूसरे से नफरत करने और आपस में लड़े लगे। या तो जैसा है वही स्वीकार करें जैसे कि अंग्रेजी की अनिवार्यता और हिंदी सहित सभी भाषाएं उसके माध्यम से ही फले-फूलें अथवा कुछ और जिसके जरिए भारतीय भाषाओं के सामने उनकी पहचान का संकट न हो। -पूरन चंद सरीन

कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ रहा आंतरिक राजनीतिक संकट

कर्नाटक कांग्रेस की राजनीति में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी के भीतर एक आंतरिक राजनीतिक संकट विकसित हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष चल रहा है। क्या कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन होगा?

शिवकुमार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेने की बढ़ती अटकलों ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस असहमति, आंतरिक संघर्ष, अनुशासन की कमी और अपने सदस्यों के बीच सत्ता संघर्ष से जूझ रही है, जिससे यह मामला और पेचीदा हो गया है। अफवाहें जोर पकड़ रही हैं, मुख्य रूप से इसलिए, क्योंकि जी. परमेश्वर जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी के भीतर महत्वपूर्ण असंतोष को स्वीकार किया है। जबकि सिद्धारमैया कुछ नुकसान नियंत्रण करने का प्रयास कर रहे हैं, शिवकुमार खेमा खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन की पैरवी कर रहा है। उनका दावा है कि यह अगले 3 महीनों के भीतर हो सकता है।

अगले 3 महीने की समय सीमा का कारण दिलचस्प है। अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि सत्ता संघर्ष अब सामने आ गया है। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया है कि लगभग 100 विधायक नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में हैं, जो शीर्ष पर बदलाव का समर्थन करते हैं। डी.के. ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी की है लेकिन बदलाव की संभावना बनी हुई है। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में लौटी। चर्चा थी कि दोनों नेता शीर्ष पद के दावेदार हैं। हाईकमान ने अढ़ाई साल का रोटेशनल फॉर्मूला पेश किया। इसके मुताबिक, सिद्धारमैया इस साल नवंबर तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर अढ़ाई साल पूरे कर लेंगे। वह अपने नेतृत्व के 25 साल भी पूरे करेंगे। सिद्धारमैया को प्रशासन में उनके व्यापक अनुभव और ओ.बी.सी. समुदाय से उनके मजबूत समर्थन के लिए जाना जाता है। साल के अंत में बिहार चुनाव नजदीक आने के साथ, कांग्रेस नेतृत्व एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. नेता सिद्धारमैया को परेशान न करके स्थिरता बनाए रखने के लिए उत्सुक है। उनका प्रशासन मुफ्त में सामान देने, मुसलमानों को खुश करने और हिंदू समुदाय को विभाजित करने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, शिवकुमार को द्यमिस्टर-फिक्सिट के रूप में जाना जाता है। डी.के. को गो-टू मैन के रूप में जाना जाता है और कांग्रेस नेतृत्व ने अन्य कांग्रेस शासित राज्यों में भी असंतुष्टों से निपटने में उनका इस्तेमाल किया है।

उन्हें उनके कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक कौशल के साथ-साथ उनके वित्तीय संसाधनों और आंतरिक असंतोष को प्रबंधित करने की क्षमता के लिए महत्व दिया जाता है। दोनों नेताओं का कांग्रेस में अपना योगदान है। संकट के समय पार्टी को उनकी जरूरत है। डी.के. के अलावा, अन्य उम्मीदवार भी इस पद के लिए होड़ में हैं। लिंगायत समुदाय के मंत्री एम.बी. पाटिल भी शीर्ष पद के लिए इच्छुक हैं। शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि कुरुबा समुदाय से सिद्धारमैया एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. व्यक्ति हैं। असंतुष्ट गतिविधि से चिंतित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाल ही में कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों को पार्टी के आंतरिक मामलों के बारे में गोपनीयता बनाए रखने की चेतावनी दी, साथ ही कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा, पार्टी और हाईकमान जो चाहेगा वही होगा। उन्होंने कहा, मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका समर्थन करना है। हालांकि, उनका खेमा डी.के. को सीएम बनाना का नारा लगाता रहता है। इस बीच, सत्ता में वापसी के अवसर पर नजर गड़ाए भाजपा मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी कर रही है और कह रही है कि कांग्रेस सरकार जल्द ही गिर सकती है। सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन के किसी भी सुझाव को खारिज कर दिया है और कांग्रेस आलाकमान ने भी ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है।

क्या है फिल्म उदयपुर फाइल्स का आधार और कौन होगा इससे प्रभावित?

अशोक भाटिया

28 जून 2022 को, राजस्थान के उदयपुर में दो मुस्लिम पुरुषों ने एक भारतीय दर्जी, कन्हैया लाल तेली का सिर कलम कर दिया। हमलावरों ने इस हमले को कैमरे में लाइव कैद किया और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित कर दिया था। बताया जाता है कि लाल की हत्या कथित तौर पर भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा करने के लिए की गई थी, जिनकी टिप्पणियों के कारण 2022 मुहम्मद टिप्पणी विवाद हुआ था। हमलावरों ने लाल की हत्या करने से पहले ग्राहक बनकर उनके स्टोर में प्रवेश किया।[हत्या के वीडियो इंटरनेट पर पोस्ट किए गए थे, जिसमें दो कथित हमलावर कसाई के चाकू पकड़े हुए थे और हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए खुद की पहचान मुहम्मद रियाज अत्तारी और मुहम्मद गौस के रूप में कर रहे थे।

11 जून को लाल के पड़ोसी नाज़िम ने नुपुर शर्मा के समर्थन में एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसके कारण लाल की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद लाल को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। 15 जून को लाल ने जान से मारने की धमकी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस में सुरक्षा की गुहार लगाई थी। [2] धान मंडी पुलिस स्टेशन में नाज़िम और पांच अन्य के खिलाफ अपनी शिकायत में लाल ने कहा कि उन्हें नाज़िम और अन्य से धमकियां मिल रही हैं और आरोप लगाया कि समूह ने उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपने समुदाय के भीतर एक संदेश के साथ प्रसारित की है कि अगर लाल कहीं भी दिखाई दिए या उन्होंने अपनी दुकान खोली तो उन्हें मार दिया जाना चाहिए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मध्यस्थता की और नाज़िम और लाल के बीच मामले को सुलझा लिया। कन्हैया ने तब पुलिस को बयान दिया कि वह मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहता है। लाल ने कहा कि विवादास्पद पोस्ट उनके बेटे द्वारा अनजाने में अपने फोन पर गेम खेलते समय साझा की।।

दो आरोपियों में से एक, मुहम्मद रियाज अत्तारी ने 17 जून को हमले से कुछ दिन पहले एक वीडियो बनाया था जिसमें उसने पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के लिए हत्या करने का इरादा जताया था, एक ऱवायरलऱ वीडियो बनाने और आगे के परिणामों के लिए अपनी उपेक्षा की थी।

बताया गया था कि 28 जून को दो हमलावर ग्राहक बनकर लाल की दर्जी की दुकान में घुसे। जब लाल ने उनमें से एक के लिए नाप लेना शुरू किया तो दोपहर 2।45 बजे उन पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमलावरों ने पूरे हमले का वीडियो बना लिया। लाल को काबू में करने के बाद दोनों आरोपी उसे दुकान से बाहर खींचकर ले गए और अपनी वेल्डिंग वर्कशॉप में बने एक अस्थायी खंजर से उसका गला रेत दिया। लाल के शरीर के कई हिस्सों पर चाकू से वार किया गया। लाल के एक दुकान सहायक को भी उसे बचाने की कोशिश में सिर में गंभीर चोटें आईं। अन्य दुकानदारों ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। हमलावर पैदल भाग गए और फिर मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग गए। ऐसा प्रतीत होता है कि दूसरे वीडियो (हमले के बाद लिया गया) में, उन्होंने इस्लाम के अपमान का बदला लेने के लिए हत्या का दावा किया [16] और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी धमकियाँ दीं। जब कि जांच में आया कि वह पोस्ट उनके 8 वर्षीय बच्चे ने गलती से फॉरवर्ड कर दिया था। सिर्फ इतनी सी बात पर कुछ जाहिल युवकों ने उनकी बेहद निर्ममता से हत्या की थी

अब दर्जी कन्हैयालाल की हत्या पर आधारित बनी फिल्म ह्यउदयपुर फाइल्सः की रिलीज पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। ये फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। फिल्म को रोक लगाने में जमीयत उलेमा ए हिंद के मुखिया अरशद मदनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इनके वकील हैं वही कपिल सिब्बल जो मोदी सरकार के हर कार्यों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में नजर आते हैं। ये वही कपिल सिब्बल हैं जो मनमोहन सिंह सरकार में एक खास मंत्री हुआ करते थे। फिलहाल अभी कांग्रेस से दूर होकर समाजवादी पार्टी की सहायता से राज्यसभा में हैं।

यह देश का दुर्भाग्य है कि जिन लोगों ने 3 साल पहले विडियो बनाकर दुर्दांत तरीके से एक शख्स की हत्या की वो अभी हत्या के दोषी साबित नहीं किए जा सके हैं। जबकि राज्य और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। सारी जांच एजेंसियों पर इनका ही नियंत्रण है। कन्हैया लाल तेली के बेटे कहते हैं कि मेरे पिता के हत्यारों को 3 साल में न्याय नहीं मिल सका पर उनके जीवन पर बनी फिल्म को 3 दिन में बैन कर दिया गया। जाहिर है रोष तो होगा ही।कन्हैया लाल के जीवन पर बनी फिल्म से जाहिर है कि वही डर रहा होगा जो नहीं चाहता कि उनकी कहानी समाज के सामने आए। सोचने वाली बात है कि किसे डर लग रहा है कि कन्हैया लाल तेली की कहानी को फिल्म के माध्यम से सामने लाने से दंगे भड़क सकते हैं। जाहिर है जो यह बात कह रहा है वह स्पष्ट रूप से भारत सरकार और कोर्ट को धमकी दे रहा है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दिल्ली, गुजरात, और महाराष्ट्र हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कीं थी। उनकी आपत्ति थी कि फिल्म का ट्रेलर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकता है। यह सीधे सीधे धमकी ही है कि सांप्रदायिक तनाव भड़क जाएगा। इसका मतलब देश के अधिकतर लोग समझते हैं। याचिका में दावा किया गया कि ट्रेलर देखकर ऐसा लग रहा है कि हत्या को धार्मिक नेताओं और संस्थानों की साजिश के रूप में दशार्या गया।

हत्याकांड में शामिल एक आरोपी, मोहम्मद जावेद, ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि फिल्म उनके निष्पक्ष मुकदमे के अधिकार को प्रभावित करेगी। जावेद को 2024 में राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिली थी। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि फिल्म कन्हैया लाल हत्याकांड को फिर से सुर्खियों में ला सकती है। जिसमें आरोपियों के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ सकता है। इतना ही नहीं गुस्सा तो डबल इंजन की सरकार पर भी लोगों का बढ़ेगा। आखिर केंद्र और राज्य दोनों ही जगहों पर बीजेपी की सरकार है।

जब भी किसी फिल्म को बैन करने की मांग उठती है तो देश में कुछ लोग विचारों की स्वतंत्रता का रोना लेकर बैठ जाते हैं। पर शायद उदयपुर फाइल्स से ऐसे लोग को ठेस नहीं लग रही है। नहीं तो सोशल मीडिया पर इस तरह के लोगों की बाढ़ आ जाती। सोशल मीडिया साइट पर प्रोफेसर दिलीप मंडल लिखते हैं कि ओबीसी टेलर कन्हैया लाल तेली को क्यों और कैसे मारा गया, उसकी कहानी सामने आने से कपिल सिब्बल घबरा क्यों रहे हैं? वे किसको बचा रहे हैं? यह सुझाव देता है कि कुछ संगठनों को डर है कि फिल्म उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती है।शायद मंडल का इशारा बिहार में होने वाले चुनाव में शामिल राजनीतिक दलों से है। क्योंकि बिहार चुनावों में एक ओबीसी दर्जी की हत्या में शामिल लोगों के सामने आने से कुछ राजनीतिक दलों का नुकसान होना तय है। एक हैंडल लिखता है कि कन्हैया लाल ने नूपुर शर्मा का समर्थन किया था, लेकिन सपा, कांग्रेस, और आप ने इसकी निंदा नहीं की थी। विपक्षी दल इस फिल्म को भाजपा की रणनीति के रूप में देख रहे हैं, जो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ा सकती है।

फिल्म को बैन कराने में सबसे बड़ी भूमिका जमीयत उलमा-ए-हिंद की रही है। गौरतलब है कि इस संगठन का आतंकियों को बचाने और पनाह देने का इतिहास रहा है। 2007 में इस संगठन ने अपने नेता अरशद मदनी के नेतृत्व में एक लीगल सेल शुरू किया था, इसका मकसद आतंकवाद में गिरफ्तार हुए मुस्लिम लड़कों को कानूनी मदद देना था।इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अब तक 700 आरोपियों का बचाव किया है। जमीयत ने 7/11 का मुंबई ट्रेन विस्फोट, 2006 मालेगांव विस्फोट, 26/11 मुंबई आतंकी हमला, 2011 मुंबई ट्रिपल ब्लास्ट केस, मुलुंड ब्लास्ट केस, गेटवे ऑफ इंडिया ब्लास्ट केस के तमाम आरोपियों को बचाने में सफल रही। पर दुखद ये है कि जो बचे उनको कोर्ट ने इसलिए नहीं छोड़ा कि वे बेगुनाह थे बल्कि उनके खिलाफ पक्के सबूतों का अभाव था।देवबंद स्थित जमीयत उलेमा-ए-हिंद संगठन ने जून 2021 में उत्तर प्रदेश में कथित अल-कायदा आतंकवादियों के बचाव में अपने वकील लगाए थे। फरवरी 2022 में जमीयत ने उन 49 आतंकवादियों की मदद की जिन्हें अहमदाबाद में 21 बम धमाकों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

पीछे नहीं, बराबरी में: केरल के स्कूलों की नई बैठने की व्यवस्था एक क्रांतिकारी कदम

-प्रियंका सौरभ

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है – आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहाँ आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अक्सर ऱमेधावीऱ माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जँड से चुनौती देता है। अब वहां ऱबैक बेंचर्सऱ नाम की कोई चीज नहीं है।

केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में या यू-शेप में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है – यह इस सोच को तोजता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है।

इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट है: बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आँख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है।

बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह ऱतारे जमीन परऱ ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा – और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नयी रोशनी बन सकता है।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह ऱकमतरऱ है, ऱगैर जरूरीऱ है। लेकिन जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नयी ऊर्जा जन्म लेती है। नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह एक तरफा शिक्षा को दो तरफा संवाद में बदलता है।

यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरूआत है। जहाँ सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है। भारत में शिक्षा को लेकर अक्सर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी।

शिक्षा के समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अक्सर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था। अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी। केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निमार्ताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है। नई व्यवस्था बच्चों को पारंपरिक अनुशासन की जजगह से निकालती है और उन्हें संवाद, सहयोग और सहभागिता की दुनिया में लाती है। यह शिक्षण पद्धति को अधिक संवादात्मक, जीवंत और व्यावहारिक बनाती है।

इस मॉडल का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है: जब बच्चा खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वास और कक्षा में सक्रियता आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए यह व्यवस्था केवल बैठने की शैली नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति में बदलाव है। व्यवहारिक दृष्टि से यह व्यवस्था आसान नहीं है। देश के अधिकांश स्कूलों में कक्षाएं छोटी हैं, छात्र संख्या अधिक है और फर्नीचर सीमित। लेकिन यह असंभव भी नहीं है। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो और शिक्षक समुदाय इस दिशा में तैयार हो, तो यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है। देशभर में शिक्षा बजट का एक हिस्सा कक्षा के पुनर्गठन में लगाया जाए तो यह केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, मानसिक और शैक्षणिक बदलाव भी लेकर आएगा। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की संरचना और पाठ्यचर्या में भी सुधार जरूरी है।

निजी स्कूलों को भी इस पहल से सीख लेनी चाहिए। अक्सर निजी स्कूल केवल रैंकिंग और परीक्षा परिणामों पर ध्यान देते हैं, लेकिन समावेशी, संवेदनशील और संवाद आधारित शिक्षा की जरूरत उन्हें भी है। अगर वे वास्तव में छात्रों का सम्पूर्ण विकास चाहते हैं, तो इस मॉडल को अपनाना न केवल उचित होगा बल्कि जरूरी भी। माता-पिता, अभिभावकों और समाज को भी इस पहल का स्वागत करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि शिक्षा केवल अंक लाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास की प्रक्रिया है। जब बच्चा बराबरी में बैठेगा, सुनेगा और सुनेगा जाएगा, तभी वह एक जिम्मेदार नागरिक बनेगा। यह व्यवस्था उस सोच को भी चुनौती देती है कि शिक्षक सर्वोपरि है और छात्र केवल एक श्रोता। अब शिक्षक और छात्र दोनों संवाद के भागीदार हैं। यह आधुनिक शिक्षा की मूल भावना है, जहाँ शिक्षा 'सत्ता' नहीं बल्कि 'साझेदारी' है। केरल का यह प्रयोग भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के भी अनुरूप है, जो रटंत विद्या से हटकर सोचने, संवाद करने और रचनात्मक बनने पर बल देती है। जब छात्र संवाद के केंद्र में होंगे, तो उनकी सोचने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति का स्तर भी बढ़ेगा। इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। एक ऐसा बच्चा जो आज अपने शिक्षक से बिना डरे बात कर पा रहा है, कल समाज में भी अपनी बात कहने का साहस रखेगा। वह सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला बन सकता है।

शिक्षा को लेकर हमारे समाज में अक्सर एक डर का माहौल बना रहता है – परीक्षा का डर, अंक का डर, असफलता का डर। लेकिन जब कक्षा का वातावरण सहभागी और संवादात्मक होता है, तो ये डर धीरे-धीरे खत्म होते हैं। यही डर-मुक्त शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है। संक्षेप में कहें तो केरल के स्कूलों में बैठने की इस नई व्यवस्था ने केवल कुर्सी-मेजें नहीं बदली हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के सोचने, सीखने और समाज से जुड़ने के तरीके को बदला है। यह परिवर्तन छोटे स्तर पर शुरू हुआ है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। आशा है कि भारत के अन्य राज्य भी इस प्रयोग से प्रेरणा लेकर शिक्षा को 'प्रतियोगिता' से निकालकर 'समावेशिता' की ओर ले जाएंगे। जब हर बच्चा केंद्र में होगा, तभी समाज का केंद्र भी न्याय, समानता और सहभागिता पर टिकेगा।

दलितों की आड़ में मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति

2014 के बाद, जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से विपक्ष को दलितों की चिंता बहुत सताने लगी है। 2014 से पहले सिर्फ अटल बिहारी वाजपेयी जी ही थे जिनकी सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था अन्यथा कांग्रेस ही ऐसी पार्टी थी जिसकी सरकारें अपना कार्यकाल पूरा करती थीं। विपक्ष के बारे में यह धारणा बनी रही कि वो सरकार बना सकता है लेकिन चला नहीं सकता। विपक्ष को ताना मारा जाता था कि तुम लोग विरोधी दल के रूप में इकठ्ठे रहते हो और सत्ता में आते ही लड़ना शुरू कर देते हो। मोदी जी ने इन सारी धारणाओं को खत्म कर दिया और 11 साल से लगातार सत्ता में हैं। मोदी जी का तीसरा कार्यकाल चल रहा है। जब 2024 के चुनावों में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो विपक्ष को उम्मीद दिखाई दी कि गठबंधन की सरकार मोदी जी नहीं चला पाएंगे। तब इंडी गठबंधन के नेताओं ने बयान दिया था कि हम सरकार नहीं बना रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार सिर्फ दो महीनों में ही गिर जाएगी। उनका कहना था कि मोदी सरकार के गिरने के बाद हम अपनी सरकार बनाएंगे। विपक्ष की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल का एक साल पूरा कर लिया है। विपक्ष को पता चल गया है कि ये सरकार भी अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है। अपने पिछले दो कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिये दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों में अच्छी पकड़ बना ली है।

वास्तव में विपक्ष मोदी के प्रभाव को अच्छी तरह जानता है लेकिन सार्वजनिक रूप से सच को स्वीकार नहीं करना चाहता। विपक्ष की किस्मत इस मामले में अच्छी है कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मुस्लिम समाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। आंकड़े कहते हैं कि मुस्लिम समाज मोदी सरकार की योजनाओं का अपनी जनसंख्या के अनुपात से लगभग दोगुना फायदा उठा रहा है लेकिन वो रणनीतिक रूप से भाजपा को हराने के लिए वोट करता है। मुस्लिम वोटों के मामले में भाजपा मोदी सरकार के शासनकाल के 11 साल बाद भी वहीं खड़ी है जहां वो 2014 में खड़ी थी। मुस्लिम समुदाय भाजपा को वोट नहीं देता है, ये उसकी मर्जी है लेकिन वो भाजपा को हराने के लिए रणनीति बनाकर वोट करता है, ये भाजपा की बड़ी समस्या है। विपक्षी दल मुस्लिम समाज की इस सोच और रणनीति का फायदा उठाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चल रहे हैं।

विपक्षी दलों को ये तो पता है कि मुस्लिम समुदाय भाजपा को वोट नहीं देगा लेकिन उनके लिए समस्या यह है कि मुस्लिम वोटों की जरूरत सभी विपक्षी दलों को है। मुस्लिम वोट बैंक की लड़ाई में भाजपा कहीं नहीं है इसलिए इसको पाने के लिए विपक्षी दल आपस में ही लड़ते रहते हैं। इस लड़ाई के कारण विपक्षी दलों में एक दूसरे के साथ मुस्लिम तुष्टिकरण की होड़ लगी रहती है। सभी दल खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी बताने की कोशिश करते हैं। जहां ये दल भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ने की बात करते हैं तो वहीं दूसरी तरफ एक दूसरे के खिलाफ भी लड़ रहे होते हैं। समस्या यह है कि सिर्फ मुस्लिम वोटों के सहारे ये लोग चुनाव नहीं जीत सकते, इसलिए मुस्लिम वोट बैंक के साथ दूसरे समुदायों को जोड़ने की कोशिश में लगे रहते हैं। विपक्षी दलों में से कुछ दलों के पास जाति विशेष का वोट बैंक है और जब इसमें मुस्लिम वोट बैंक जुड़ जाता है तो एक बड़ा वोट बैंक तैयार हो जाता है। दलित समाज का वोट बंटा हुआ है. सभी पार्टियों को इसमें से हिस्सा मिलता है। 2014 से पहले दलितों और आदिवासियों के वोट का बड़ा हिस्सा कांग्रेस को मिलता था लेकिन धीरे-धीरे इसमें भाजपा ने बड़ी सेंध लगा दी है। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण दलित समाज के बड़े हिस्से का झुकाव भाजपा की ओर हो गया है और कांग्रेस को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

विपक्षी दलों में मुस्लिम वोट बैंक के बाद अब दलित वोट बैंक की लड़ाई भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल खुद को दलितों का सबसे बड़ा हितैषी साबित करने में लगे रहते हैं। दलितों के हालात के लिए राहुल गांधी अक्सर मोदी सरकार को घेरते रहते हैं। वास्तव में राहुल गांधी जानते हैं कि मुस्लिम वोट बैंक तब मिलेगा जब कांग्रेस कुछ मजबूत दिखाई देगी। कांग्रेस की कमजोरी के कारण ही मुस्लिम वोट बैंक पर दूसरे विपक्षी दलों का कब्जा हो गया है क्योंकि मुस्लिम उसे वोट देते हैं जो भाजपा का मुकाबला कर सकता है।

राहुल गांधी दोतरफा लड़ाई लड़ रहे हैं. एक तरफ वो भाजपा से लड़ रहे हैं तो दूसरी तरफ वो दूसरे विपक्षी दलों से भी लड़ रहे हैं। समस्या यही है कि जिनको साथ लेकर भाजपा से लड़ना है, वहीं दूसरी तरफ अपनी पार्टी के लिए उनके खिलाफ भी लड़ना है। यही कारण है कि राहुल गांधी भाजपा पर हमला करते हुए यह भूल जाते हैं कि 2014 से पहले 10 साल तक उनकी ही पार्टी शासन कर रही थी। उन्हें यह भी याद नहीं है कि इस देश पर आजादी के बाद से लगातार कांग्रेस का राज रहा है। उन्हें मीडिया में दलित दिखाई नहीं देते तो वो इसके लिए मोदी सरकार से सवाल पूछते हैं कि मीडिया में दलित क्यों नहीं है। वो उच्च अधिकारियों में दलितों को ढूंढना शुरू कर देते हैं। वास्तव में ये सवाल तो उन्हें अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से पूछना चाहिए कि दलितों की ऐसी हालत क्यों है। जिस पार्टी ने अपने लंबे शासनकाल में बाबा साहब अम्बेडकर जी को भारत रत्न के काबिल नहीं समझा, वही पार्टी आज उन्हें भगवान बनाने पर तुली है। नेहरू जी और इंदिरा जी ने खुद को भारत रत्न दे दिया लेकिन बाबा साहब को देना याद नहीं रहा। आज बाबा साहब कांग्रेस के लिए भगवान बन गए हैं. जब वो जिंदा थे तो उन्हें कांग्रेस सरकार में काम नहीं करने दिया गया।

बाबू जगजीवन राम जी को प्रधानमंत्री बनने से रोकने की कामयाब कोशिश कांग्रेस ने ही की थी। इतिहास में एक बार ही ऐसा मौका आया जब देश को एक काबिल दलित प्रधानमंत्री मिल सकता था तो वहां भी कांग्रेस ने टांग अड़ा दी। वास्तव में कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आज तक दलित समाज के अयोग्य और नाकाबिल लोगों को ही राजनीति में आगे बढ़ाया है ताकि उन्हें काबू में रखा जा सके। दलित समाज में योग्य नेता पैदा हो सकते थे लेकिन ऐसा होने नहीं दिया गया। यही कारण है कि बहुजन समाज पार्टी का उदय हुआ लेकिन यूपी के अलावा देश के अन्य हिस्सों में दलित इस पार्टी के साथ जुड़ नहीं पाए। वास्तव में किसी जाति या समुदाय विशेष का वोट लेकर कोई भी पार्टी सत्ता की लड़ाई में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है और विपक्षी दल इसका जबरदस्त विरोध कर रहे हैं। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया गया है। विपक्षी दल इस कार्यवाही का विरोध इसलिए कर रहे हैं ताकि बांग्लादेश और म्यांमार से आये रोहिंग्या मतदाता सूची से बाहर न कर दिए जाएं। विपक्ष यह तो कह नहीं सकता कि घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर न किया जाए, इसलिए वो अपनी इस मुहिम को दलितों और गरीबो की आड़ लेकर चला रहा है। विपक्ष चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहा है कि उसकी कार्यवाही से मुस्लिमों, दलितों, आदिवासियों, अति पिछड़ो और गरीबों का नाम मतदाता सूची से बाहर निकल जाएगा। चुनाव आयोग ऐसे दस्तावेज मांग रहा है जिससे साबित हो कि आप 2003 से पहले भारत में रह रहे हैं। इसके लिए आप अपने माता-पिता से संबंधित कागजात भी दे सकते हैं। जब कुछ नहीं है तो मतदाता सूची में अपने माता-पिता का नाम भी दिखा सकते हैं जिसमे चुनाव आयोग आपकी मदद करेगा। इसका साफ मतलब है कि किसी का भी नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटने वाला नहीं है और अगर हट जाता है तो चुनाव आयोग में इसकी शिकायत की जा सकती है।

समस्या उन लोगों की है जो गैर कानूनी रूप से बांग्लादेश और म्यांमार से आकर भारत में बसे हुए हैं। ये लोग न केवल सरकार बनाने का काम कर रहे हैं बल्कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा भी ले रहे हैं। देखा जाए तो ये लोग एक तरह से दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीब मुस्लिमों के हक पर डाका डाल रहे हैं। अगर इन योजनाओं से इन लोगों को बाहर कर दिया जाए तो दूसरे जरूरतमंद लोगों को ज्यादा फायदा मिल सकता है। विपक्षी दल चाहते हैं कि उन मुस्लिमों का नाम भी इस सूची से न हटाया जाए जो अवैध रूप से घुसपैठ करके भारत में आ गए हैं। विपक्ष अपनी इस लड़ाई को दलितों के पीछे छिपकर लड़ रहा है। विपक्ष को न तो दलितों से मतलब है और न अन्य गरीबों से उसे सिर्फ अपने वोट बैंक की चिंता है जो उसने बड़ी मेहनत से तैयार किया है। इनके आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड बनाये गए ताकि इन्हें भारत का नागरिक साबित किया जा सके। अब विपक्ष की कोशिश है कि इन दस्तावेजों के आधार पर ही इन्हें मतदाता सूची में बने रहने दिया जाए और इस कोशिश में ही ये लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए हैं। दलित समाज को सतर्क रहने की जरूरत है कि उनकी आड़ लेकर देश विरोधी काम किया जा रहा है। -राजेश कुमार पासी

मनपा अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाओं को मुहैया कराया जाय

मुंबई। बरसात के इस मौसम में मुंबई में मलेरिया , टायफाइड डेंगू और गैस्ट्रो (पेट की बीमारियां) के मामले बढ़ रहे हैं। मनपा स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जून महीने में हर दिन औसतन 29 लोग मलेरिया और 31 लोग गैस्ट्रो से पीड़ित हो रहे थे। जबकि जुलाई महीने में मलेरिया, डेंगू के मरीज निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए मुंबई के के.एम., सायन, गोवंडी के शताब्दी, घाटकोपर के राजावाड़ी , चेंबूर के मां अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को मुहैया कराने की मांग जाने माने हिंदी और मराठी भाषा के लोकप्रिय साप्ताहिक अखबार त्रिलोक विवेचना के युवा संपादक संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला ने की है। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, मुंबई मनपा आयुक्त का ध्यान आकर्षित कराया है। बता दें कि मलेरिया एनोफिलीज मच्छरों के कारण बढ़ रही है। मलेरिया से बचाव के उपाय जानकारों के मुताबिक मनपा के कीटनाशक विभाग ने मुंबई के विभिन्न इलाकों में कुल 72,715 मच्छरों के प्रजनन स्थलों का निरीक्षण किया है। इनमें से 6,506 स्थानों पर मलेरिया मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए गए हैं। मुंबईकरों को अन्य बीमारियों की तरह पेट की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है। जिसके कारण मनपा अस्पतालों को मरीजों के इलाज के लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए ऐसी मांग संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला ने की है। शुक्ला ने बताया कि मलेरिया के मामलों की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं हिंदुजा अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. पवन ढोबले ने कहा कि मानसून की शुरूआत के साथ गैस्ट्रोएंटेराइटिस बढ़ जाता है। जून के महीने में लगभग 40 गैस्ट्रो रोगियों को भर्ती कराया गया है। उनमें से कुछ को केवल हाइड्रेशन से राहत मिलती है, जबकि गंभीर मामलों में, उन्हें -जैसे की आवश्यकता होती है। डॉक्सीसाइक्लिन एंटीबायोटिक्स उन्होंने आगे कहा कि मानसून के दौरान दूषित पानी और सड़क किनारे फेंके गए गंदे कचरे के कारण संक्रमण फैलता है। लक्षण दिखने पर मनपा के दवाखाने और अस्पतालों में जांच और उपचार कराना चाहिए।

शान पटेल एसेट मैनेजमेंट ने अपना पहला वैकल्पिक निवेश फंड लॉन्च किया

मुंबई। शान पटेल एसेट मैनेजमेंट एक पेशेवर एएमसी जो निवेशकों के धन का सक्रिय रूप से प्रबंधन करके धन वृद्धि करता है, ने 200 करोड़ रुपये के प्रारंभिक लक्ष्य कोष के साथ अपने प्रमुख श्रेणी क्कक्कवैकल्पिक निवेश फंड के लॉन्च की घोषणा की है। वैकल्पिक निवेश फंड एक फ्लेक्सी-कैप दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें प्रत्येक स्टॉक में अधिकतम 10% आवंटन के साथ लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश किया जाएगा। पोर्टफोलियो अत्यधिक केंद्रित रहेगा, जिसमें गहन मौलिक शोध और मात्रात्मक विश्लेषण के स्वामित्व मिश्रण का उपयोग करके पहचाने गए 12-15 उच्च-विश्वास वाले विचार शामिल होंगे। क्वांट सिग्नल द्वारा संचालित एक बुद्धिमान मंथन मॉडल का लाभ उठाकर, फंड का लक्ष्य किसी स्टॉक की विकास यात्रा के दौरान कई बाजार से अतिरिक्त रिटर्न प्राप्त करना है, गतिशील मूल्यांकन के आधार पर पोजीशन में प्रवेश और निकास करना है। यह दृष्टिकोण औसत खरीद लागत को कम करता है, आंशिक लाभ को सुरक्षित रखता है, और समय के साथ चक्रवृद्धि रिटर्न को बढ़ाता है। इस फंड को निफ्टी 500 इंडेक्स के साथ बेंचमार्क किया जाएगा और इसका लक्ष्य मजबूत जोखिम नियंत्रण बनाए रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करना है। लॉन्च पर बोलते हुए, शान पटेल एसेट मैनेजमेंट के सीआईओ, श्री शान पटेल ने कहा, हम सिर्फ. खरीदकर अनिश्चित काल तक होल्ड करने में विश्वास नहीं रखते। इसके बजाय, हम हर पोजीशन पर सक्रिय रूप से नजर रखते हैं, वैल्यूएशन बढ़ने पर आंशिक रूप से बाहर निकलते हैं और अवसर आने पर फिर से निवेश करते हैं। हमारे क्वांट-संचालित सिग्नल इन कदमों को अनुशासन और सटीकता के साथ निर्देशित करते हैं, जिससे हम गिरावट को कम कर पाते हैं, औसत लागत कम कर पाते हैं और रिटर्न को अधिक प्रभावी ढंग से चक्रवृद्धि कर पाते हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि निवेश का भविष्य निष्क्रिय और प्रतिक्रियाशील होने के बजाय सक्रिय, डेटा-संचालित और अनुकूलनशील होने में निहित है। यह दृष्टिकोण हमें निवेशकों की पूँजी को सुरक्षित रखते हुए बाजार के अवसरों का लगातार लाभ उठाने में सक्षम बनाता है। नया वैकल्पिक निवेश फंड उन अनुभवी निवेशकों के लिए डिजाइन किया गया है जो पारंपरिक लॉन्ग-ओनली दृष्टिकोणों का विकल्प तलाश रहे हैं। यह सक्रिय, क्वांट-आधारित और क्षेत्र-केंद्रित रणनीतियों की बढ़ती निवेशक माँग के अनुरूप है, खासकर एचएनआई और फैमिली ऑफिस के बीच जो बाजार की अस्थिरता से निपटना चाहते हैं और एआई, ईवी, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं।

भारत का पहला एमजी सिलेक्ट एक्सपीरियंस सेंटर का ठाणे अनावरण

ठाणे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने ठाणे में अपना पहला एमजी सिलेक्ट एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च कर भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है. यह नया स्वरूप लक्जरी की पुनर्कल्पना के दर्शन पर आधारित है. ठाणे में यह केंद्र रोजा विस्टा, वाघबिल, कावेसर, ठाणे पश्चिम में स्थित है. कंपनी की योजना है कि २०२५ की तीसरी तिमाही के अंत तक भारत के १३ प्रमुख शहरों में ऐसे १४ केंद्र खोले जाएंगे, जिनमें यह पहला है. जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, अनुराग मेहरोत्रा ने भारत में लक्जरी उपभोग में तेजी से हो रही वृद्धि पर जोर दिया. उन्होंने रेखांकित किया कि एमजी सिलेक्ट का उद्देश्य कार स्वामित्व के अनुभव को फिर से परिभाषित करके इस बढ़ते सेगमेंट को सेवा देना है. उन्होंने डीलर भागीदारों के सहयोग से तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद और विशेष अनुभव प्रदान करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को दोहराया. एमजी सिलेक्ट ठाणे के डीलर प्रिंसिपल, पवन ऐलसिंघानी ने नए केंद्र को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि यह केंद्र पारंपरिक शोरूम अनुभव से परे जाकर ठाणे में हमारे विवेकपूर्ण ग्राहकों के लिए ऑटोमोटिव लक्जरी को फिर से परिभाषित करेगा. यह एक ऐसा समुदाय बनाएगा जहां प्रत्येक ग्राहक की आकांक्षाएं पूरी होंगी और उनके संरक्षण को वास्तव में महत्व दिया जाएगा.

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा बोईसर

वाणगंगा शिव कावड़ यात्रा संघ द्वारा संजान के लिए भव्य कावड़ यात्रा रवाना

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सावन मास के आरंभ के साथ ही भगवान शिव की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के उत्साह का अद्भुत दृश्य बोईसर में देखने को मिला। वाणगंगा शिव कावड़ यात्रा संघ द्वारा आयोजित भव्य शिव कावड़ यात्रा रविवार 13 जुलाई 2025 को सुबह 10: 30 बजे श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ अमरकंटक महादेव मंदिर, हुमरान तपस्वी आश्रम, संजान के लिए रवाना हुई।

बोईसर शहर अंतर्गत ओसवाल एम्पायर स्थित ₹इच्छापूर्ति गणेश मंदिर₹ से यह यात्रा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ प्रारंभ हुई। तपस्वी आश्रम के ब्रह्मलीन तंत्र संत श्री श्री 1008 सरकंडी जी महाराज के कृपा पात्र एवं सिद्ध संत श्री 108 झारखंड ऋषि जी महाराज के पावन सान्निध्य में नारियल फोड़कर इस यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर धर्म, समाज और राजनीति से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से बोईसर के विधायक विलास तरे, बोईसर पुलिस स्टेशन के प्रभारी शिरीष पवार, शिवशक्ति सामाजिक संगठन के प्रमुख व वरिष्ठ भाजपा नेता संजय पाटील के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता जैसे वसंत चव्हाण, नीलम संखे, अशोक वड़े, अतुल देसाई, महेंद्र भोने, अजय दिवे, कैलाश जी, एसपी जी, दीपक ठाकुर, मनोज दिवाकर पाटील, जूली संजय बारी, उद्योगपति रणवीर शर्मा और रामनरेश यादव जैसे कई प्रतिष्ठित जनों ने कांवड़ यात्रा को शुभकामनाएं दीं।

धार्मिक क्षेत्र से शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पांडेय, मनदेव दुबे, भावेश मोरे, दयाराम मिश्रा, सुरेश दुबे, पाठक जी, उद्योजक गिरजेश सिंह, नंदन मिश्रा, बृजेश पांडेय, कुलदीप मिश्रा, शुक्ला जी, विजय शंकर तिवारी, सुशील तिवारी, रविंद्र मिश्रा, पंकज तिवारी, संतोष शर्मा, मुकुल शर्मा, जिलेदार वर्मा और जय कुमार पटवा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने संत श्री 108 झारखंड ऋषि जी महाराज का आशीर्वाद लेकर कांवड़ियों का उत्साहवर्धन किया। शिवभक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन ने बोईसर शहर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। ₹हर हर महादेव₹ के जयघोषों के साथ रवाना हुई यह कावड़ यात्रा पूरे मार्ग में भक्ति, अनुशासन और उत्साह का संदेश देती रही, जिससे क्षेत्र में आस्था और श्रद्धा का वातावरण और अधिक प्रबल हुआ।

श्रीगुरूपुर्णिमा महोत्सव भव्य उत्साह से संपन्न हुआ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई स्थित फणसवाडी के छोटा तिरूपति प्रतिकृति श्रीवेंकटश देवस्थान मंदिर प्रांगण में श्रीवेंकटेश देव के सानिध्यात में प्रमुख गादी स्वामी श्री श्रीनिवासाचार्यजी महाराज एवं प्र .भ श्री अनंताचार्यजी महाराज (श्री बालकनाथ जी महाराज) के सानिध्य में आचार्य पूजन महोत्सव भव्य उत्साह के साथ मनाया गया। भक्तों ने इस अवसर पर आचार्य पूजन किया सभी आचार्यों ने धर्म तथा गुरू जनों के प्रति श्रद्धालुभक्तों को प्रसन्नता और प्रगती का आशीर्वाद दिया। मुंबई तथा देश के अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु भक्तों का आगमन इस पवित्रोत्सव में हुआ। प्रति वर्ष धार्मिक व्यवस्था के नियमों के अनुसार आयोजित कार्यक्रमों में आचार्य पूजन कार्यक्रम का भी महत्वपूर्ण स्थान है। इस अवसर पर पूजा, तिलकोत्सव होता है एवं दान, प्रसाद को दिया जाता है। मंदिर के प्रबंधक सुरेश चौधरी ने यह जानकारी प्रेस को दी।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. ने मनाया महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती

पनवेल, नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ) की पनवेल नई मुंबई इकाई के तत्वाधान में सृष्टि के रचयिता, पृथ्वी के प्रथम महाराजा, ब्रह्मा जी की मानस पुत्र, प्रजापति समाज के आराध्य देव महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर पर माल्यार्पण पुष्प अर्पित करके उनकी जयंती श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। भारतीय वैदिक परंपरा में 'दक्ष प्रजापति' एक ऐसा नाम है, जो सृष्टि के आरंभ से ही जुड़ा हुआ है। ब्रह्मा जी के मानस पुत्र, प्रजापतियों में सर्वश्रेष्ठ, जिनका नाम ही 'दक्ष' अर्थात 'कुशलता' का प्रतीक है। गुरु दक्ष केवल एक ऋषि या सृष्टिकर्ता नहीं थे, वे वेद, यज्ञ, अनुशासन, मयार्दा और पारिवारिक मूल्य प्रणाली के प्रणेता भी माने जाते हैं। वेदों, पुराणों और उपनिषदों में उनका उल्लेख किसी देवता के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे मनीषी के रूप में हुआ है जिनका जीवन अनुकरणीय था जिनकी जीवन सृष्टि आज भी सामाजिक संतुलन और नैतिकता का मार्गदर्शन करती है।

इस मौके पर मान्यवारों के साथ-साथ बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और श्रद्धा से ओत प्रोत माहौल में श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से महाराजा दक्ष प्रजापति की फोटो पर पुष्प अर्पित करते हुए दर्शन किया।

इस अवसर गणमान्य महानुभावों ने अपने संदेश में समाज की एकता और विकास पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने कहा की संस्था सदस्यों के सहयोग से सामाजिक कार्यों में अहम भूमिका निभा रही है और समय-समय पर अनेक सामाजिक कार्य जैसे शिक्षा किट का वितरण, मेधावी छात्रों के लिए अनुदान, वृक्षारोपण, मेडिकल कैंप का आयोजन और स्वच्छता अभियान आदि सामाजिक कार्यों को समय-समय पर करती रहती है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सी.पी.प्रजापति,गजेंद्र प्रजापति, इंदर प्रजापति, विशाल जोगिंदर प्रजापति,संजय कुंभार, रोहित राजेंद्र प्रजापति, लव कुमार प्रजापति, गोवर्धन प्रजापति, कुलदीप प्रजापति, आदर्श प्रजापति, राकेश कुमार प्रजापति, विशाल प्रजापति, सागर प्रजापति, संजय पन्नालाल प्रजापति, रोहित रामू प्रजापति, संजय प्रजापति, सियाराम प्रजापति, अनिरुद्ध प्रजापति, आदि ने सहयोग किया।

जयनाथ यादव फाउंडेशन' की ओर से सफाई कर्मचारियों को रेनकोट का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बरसात के इस मौसम में मुंबई में गरीब मजदूर, सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक और सफाई कर्मचारी भारी बारिश में भींग कर काम करते हैं। उनकी भावनाओं को कोई नहीं समझता। बल्कि लोग नाले, गटर और कचरे की साफ सफाई के लिए उनका लाभ उठाते हैं। ऐसे में उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, 'जयनाथ यादव फाउंडेशन' द्वारा गोरेगांव में मुफ़्त रेनकोट वितरित किया गया। बता दें कि गोरेगांव कांग्रेस के युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मनोज यादव द्वारा शनिवार को मुंबई की सड़कों पर यातायात नियंत्रित करने, सब्जी बेचने, रिक्शा चलाने और इलाके की सफाई करने वाले सैकड़ों गरीब और जरूरतमंद मजदूरों को मुफ़्त रेनकोट बांटा गया।

इस कार्यक्रम में कांग्रेस के अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। युवा कांग्रेस नेता मनोज यादव समय समय पर अपने इलाके के गरीब स्कूली बच्चों, अस्पताल के मरीजों और जरूरत मंद लोगों की मदद करते रहते हैं।

आप लोगों को भी अपने घरों से निकलकर मानसून में ऐसे लोगों तक जरूरी सामग्री पहुँचानी चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज यादव, के साथ मिंटू सिंह, राहुल उपाध्याय, प्रदीप यादव, अमरीश यादव के साथ ही संगठन से जुड़े पदाधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भाजपा मुंबई के प्रवक्ता प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी के नेतृत्व में मराठी कक्षाओं का शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी राष्ट्रभाषा है, मराठी संस्कृति की आत्मा दोनों भाषाएं हमारे सम्मान की प्रतीक हैं। प्रो. डॉ दयानंद तिवारी ने मराठी कक्षा उद्घाटन के समय कही है। उन्होंने 13 जुलाई 2025 को प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी के मार्गदर्शन में तिवारीस सरस्वती क्लासेस, सायन शाखा में मराठी भाषा सिखाने हेतु विशेष कक्षाओं का शुभारंभ हुआ। इस जनहितकारी पहल का संचालन नितिन पवार द्वारा किया गया। जिन्होंने मराठी की नियमित साप्ताहिक कक्षाएं आरंभ कीं। इस अवसर पर प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी ने स्पष्ट रूप से कहा:हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। इस पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। लेकिन मराठी हमारी सांस्कृतिक आत्मा है, जिसकी उपेक्षा भी नहीं होनी चाहिए। यदि कोई भाषा पूछकर हमला करता है, तो यह वैसा ही है जैसे कश्मीर के पहलगाम में पूछताछ के नाम पर गोली चलाना।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें भाषाओं को हथियार नहीं, संवाद का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह से मराठी कक्षाओं का विस्तार अन्य समय-स्लॉट में किया जाएगा और जल्द ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मराठी कक्षाएं प्रारंभ की जाएंगी, क्योंकि अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड जैसे देशों से उन्हें अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इस प्रथम सत्र में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। साथ ही कई प्रमुख मीडिया चैनलों एवं समाचार पत्रों के पत्रकार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मराठी सीखने आए प्रतिभागियों को शिक्षण सामग्री, अभ्यासपत्रक, और प्राथमिक साहित्य वितरित किया गया, जिससे वे भाषा सीखने की दिशा में आत्मनिर्भर बन सकें। उक्त कार्यक्रम तिवारीस सरस्वती क्लासेस एस.आई.ई.एस कॉलेज के सामने, गुरुकृपा होटल के पास सायन (पूर्व), मुंबई में संपन्न हुआ।

मुंबई आगमन पर सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का भव्य स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्यसभा सांसद तथा अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के मुंबई आगमन पर आज मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा नेता फरहान आजमी तथा मुंबई अध्यक्ष हाजी इब्राहिम भाई जान की तरफ से शॉल पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया ।इस मौके पर इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र में बैठकर दिल्ली के अंदर जो तानाशाही रवैया कर रही है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के लिखे हुए संविधान को खत्म कर रही है। यह आने वाले कल के लिए हमारे देश को बहुत घातक साबित होगा भारत एक शांति प्रिय देश है यहां सभी जात सभी मजहब के लोग गंगा जमुनी तहजीब को फॉलो करते हुए एक दूसरे के दुख दर्द दूसरे के त्योहारों में शरीक होते हैं कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं, लेकिन यह सरकार हिंदू मुस्लिम एक जात से दूसरे जात को लड़ा कर केवल वोट लेने के लिए इस देश के भाईचारा को खत्म कर रही है देश के सभी नागरिकों को इस तानाशाही सरकार को समझना होगा और आने वाले कुछ महीनो में कई राज्यों के अंदर होने वाले चुनाव में इनको मुंहतोड़ जवाब देकर संविधान के दायरे में अपने मत का प्रयोग कर इनको उस राज्यों से उखाड़ फेंकना होगा । इस मौके पर फरहान आजमी हाजी इब्राहिम भाई जान के साथ सैकड़ो कार्यकताओं ने इमरान प्रतापगढ़ी का स्वागत सत्कार किया।

युनेस्को ने छत्रपती शिवाजी महाराज के 12 किलों को दिया वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा, शिवसेना पालघर ने मनाया जश्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। छत्रपती शिवाजी महाराज की गौरवशाली इतिहासगाथा को वैश्विक मान्यता देते हुए युनेस्को ने महाराज द्वारा निर्मित 12 किलों को ₹वर्ल्ड हेरिटेज₹ (विश्व धरोहर) का दर्जा प्रदान किया है। यह निर्णय न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। महाराज की दूरदृष्टी, रणनीतिक कौशल्य और शौर्य की साक्षी रहे ये किले अब अंतरराष्ट्रीय पटल पर मान्यता प्राप्त धरोहर बन गए हैं। इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए शिवसेना पालघर की ओर से छत्रपती शिवाजी महाराज चौक, चार रस्ता में भव्य जल्लोष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छत्रपती शिवरायांना मानवंदना अर्पित की गई और महाराष्ट्र के गौरव का उत्सव पूरे जोश और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में शिवसेना पालघर के जिला प्रमुख कुंदन संखे, पालघर विधानसभा के विधायक राजेंद्र गावित, उपनेता ज्योती मेहेर, जिला संघटिका वैदेही वाढाण, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा भारती कामडी, पूर्व उपनगराध्यक्ष उत्तम घरत, तहसील प्रमुख संजय चौधरी, शहर प्रमुख राहुल घरत, युवा सेना जिलाध्यक्ष साईराज पाटील, वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक सुभाष पाटील, अमोल पाटील, रविंद्र उर्फ बंड्या म्हात्रे, एडवोकेट धर्मेंद्र भट, बंड्या वडे, राजू पाटील, तुषार भानुशाली, अक्षय संखे, मनोहर संखे, विनय आघाव, नीलम संखे, प्रवीण पाटील, चेतन घोडके, सुधीर गावड, नरेश पाटील, राजू शर्मा, अंजली बारी, बिंदिया दीक्षित, दीपा पामाले, लीना पाटील, संजू धोत्रे, नैवेद्य संखे, प्रदीप यादव, कुमार माली, भारती सावे, मंगला गावकर, सोनाली पाटील, सरिता ठाकूर, माधवीका पाटील, यास्मिन लुलानिया, जानवी गवली समेत शिवसेना, युवासेना व महिला आघाड़ी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में छींटे पड़ने के विवाद में युवक को कुल्हाड़ी से काट डाला

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के तिघरा मोड़ के पास शनिवार की शाम मामूली विवाद में एक युवक की कुल्हाड़ी से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान शेखपुरा सुतौली गांव निवासी जयनाथ के 35 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, संतोष कुमार अपने छोटे भाई के साथ शाम करीब सात बजे मोटरसाइकिल से खुटहन बाजार डीजल लेने जा रहा था। रास्ते में तिघरा मोड़ के पास सड़क किनारे खड़े तीन लोगों पर बाइक से पानी का छींटे पड़ गईं। इसी बात को लेकर तीनों ने बाइक सवार भाइयों को गाली-गलौज दिया, हालांकि बाइक सवार दोनो भाई उस समय विवाद को टालते हुए डीजल लेने के लिए निकल गए। जब संतोष डीजल लेकर वापस लौट रहा था, उसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे तीनों युवकों ने उसे घेरकर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसी बीच घटना की जानकारी जैसे परिजनों को मिली वे वहां पहुंच गए तो देखा खून से लथपथ अवस्था में संतोष जमीन पर गिरकर तड़प रहा था। आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटहन ले जाया गया, जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों हमलावरों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं, मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वही पुलिस ने चन्द्रभान पुत्र गुरूचरन, सुरेन्द्र उर्फ सुक्खु पुत्र चन्द्रभान एवं शैलेश कुमार यादव उर्फ निलेश पुत्र रमेश समस्त निवासी गौसपुर थाना खुटहन को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। अब यह सोचने की बात है कि छींटे जैसे छोटे छोटे मामलों में इतना उग्र हो जाना कि हत्या जैसी घटना को अंजाम दे देना हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। कही न कही हमारे संयम की सहनशक्ति धीरे धीरे खत्म होती जा रही है जो कि एक स्वस्थ समाज के लिए घातक है।

नहर में नहाने गये किशोर की डूबने से हुई मृत्यु

सुइथाकला, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उक्त क्षेत्र के अन्तर्गत शारदा सहायक नहर के बासूपुर हैट पर शनिवार दोपहर नहाने के दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ागांव निवासी मुन्नू का 14 वर्षीय पुत्र इरफान शनिवार दोपहर करीब दो बजे अपने दोस्तों के साथ बासूपुर हैट पर नहाने गया था। बताया जाता है कि उसे तैरना नहीं आता था, जिसके चलते वह गहरे पानी में डूब गया। ग्रामीणों के मुताबिक गांव के ही एक युवक ने काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से घबराए इरफान के साथी मौके से भागने लगे। बाद में ग्रामीणों के दबाव पर युवक का शव बाइक से घर ले जाया गया। परिजनों ने बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

प्रसाद स्कूल से शीतला चौकियां धाम तक संपर्क मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं विकास कार्य का किया गया शिलान्यास

राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने किया विधिवत पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति) रविवार को राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने धर्मार्थ योजना के अंतर्गत लखनऊ - माझीघाट मार्ग पर प्रसाद स्कूल से चौकियां माता धाम तक संपर्क मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं विकास कार्य का विधिवत पूजन करके शिलान्यास किया। इस संपर्क मार्ग की स्वीकृत लम्बाई लगभग 1630 मीटर (1.630 किमी) है तथा स्वीकृत लागत रू 272.22 लाख है।

शिलान्यास कार्यक्रम शुभारंभ में वरिष्ठ नेता प्रदीप तिवारी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने मुख्य अतिथि राज्यमंत्री का माल्यार्पण करके स्वागत किया। तत्पश्चात विद्वान पंडित के द्वारा मंत्रोच्चार व पूजन करके मुख्य अतिथि द्वारा शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के दौरान स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि माता शीतला धाम चौकियां करोड़ों लोगो की आस्था का केन्द्र है, यहां समीप के जनपद के साथ साथ पूरे प्रदेश और देश से दर्शनार्थी आते है, और माता शीतला मां का पूजन करते हैं। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के बन जाने से माता रानी के भक्तों को सुविधा मिलेगी, यह सड़क मार्ग 7 (सात) मीटर चौड़ा बनेगा, जहां पानी लगेगा, वहां पर सीसी रोड और बिटवीन की रोड बनेगी और पटरी पर इंटरलॉकिंग लगाई जाएगी। इस मार्ग की लंबाई 1.630 किलोमीटर है, इसकी लागत लगभग रु 272.22 लाख (दो करोड़ बहत्तर लाख बाईस हजार रुपए) है। यह कार्य कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाएगा। शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डा0 रामसूरत मौर्या, प्रदीप तिवारी, अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव, बबलू माली, विकास, जेई पंकज यादव, महादेव यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

कुशल व्यक्तित्व के धनी थे आशाराम

◆ **पचोखर में पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ कार्यक्रम**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आशाराम तिवारी कुशल व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कर्तव्य निष्ठा व ईमानदारी से परिवार व समाजसेवा के लिए खुद को समर्पित किया। उक्त बाते डॉक्टर पी पी दुबे उनके गृह निवास पचोखर में आयोजित तृतीय पुण्यतिथि कार्यक्रम में श्रद्धांजलि देने के बाद कहा। इस दौरान उनके बड़े पुत्र डॉ.संतोष तिवारी मंडल अध्यक्ष पूर्व माध्यमिक संघ ने भी व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्य क्रम में डॉ.विमल नयन पांडेय दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि पुत्रो द्वारा पिता को याद करना बहुत ही सौभाग्य की बात है। इस दौरान देवी गीत गायक आशीष पाठक अमृत ने निर्गुण गीत के माध्यम से सभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे, बेहोश जौनपुरी, एडीओ कृष्ण कुमार मिश्रा, डॉ.महेंद्र त्रिपाठी, डॉ.जे पी दूबे, डॉ राजेश त्रिपाठी, डॉ.प्रमोद सिंह, संतोष उपाध्याय, मनोज तिवारी प्रबंधक, डॉ सचिन तिवारी, डॉ.नन्दलाल यादव, राजेश मिश्रा रमेश मिश्रा व समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्र भूषण पांडेय ने किया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय तरांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन, प्रकृति संरक्षण की ओर एक कदम

गुड़िया राज

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व माध्यमिक विद्यालय तरांव में शनिवार को एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय की इंचार्ज शीला कुमारी ने की। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह पहल स्थानीय स्तर पर सराहनीय प्रयास मानी जा रही है।

इस अवसर पर विद्यालय के सहायक अध्यापक प्रकाश, महेंद्र राम, हरिश्चंद्र, रविंद्र कुमार, ओमप्रकाश सहित अन्य शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार वृक्ष लगाए। शीला कुमारी ने बताया कि वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं है, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण और हरित भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने सभी शिक्षकों और छात्रों से आग्रह किया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था, बल्कि छात्रों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाने की दिशा में भी एक प्रेरणा देना था।

विद्युत विभाग द्वारा 17, 18 एवं 19 जुलाई को किया जायेगा मेगा कैम्प का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-प्रथम जौनपुर ने अवगत कराया है कि उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि० द्वारा प्रदेश के सभी जिलों के सभी खण्डों पर 17, 18 एवं 19 जुलाई 2025 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक मेगा कैम्प का आयोजन होगा। जिसमें सभी प्रकार की शिकायतों जैसे- बिल रिवीजन, खराब मीटरों की जगह नये मीटर का प्रतिस्थापन, गलत बिलों का संशोधन, विघा परिवर्तन किये जायेगें, बिल से सम्बन्धित व अन्य शिकायतों का पंजीकरण व निस्तारण के कार्य सम्पादित किये जायेंगे। इसके साथ ही, जो भी उपभोक्ता अपनी शिकायत लेकर आयेगा उसे 1912 हेल्पडेस्क पर अंकित कराया जायेगा एवं उपभोक्ता को उसकी रसीद उपलब्ध करायी जायेगी एवं जो शिकायत मौके पर निस्तारित हो सकती है, उसे तत्काल निस्तारित करा दिया जायेगा एवं जो शिकायतें रह जायेंगी उन्हें एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कर दिया जायेगा। जनपद के विद्युत वितरण मण्डल-प्रथम के अन्तर्गत विद्युत वितरण खण्ड-जौनपुर नगर पता-132 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र, मोहल्ला-कदम रसूल, हुसैनाबाद जौनपुर एवं विद्युत वितरण खण्ड-केराकत ग्रामीण, पता-132 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र मोहल्ला कदम रसूल हुसैनाबाद, जौनपुर एवं विद्युत वितरण खण्ड-बक्सा पता मोहल्ला मियांपुर निकट कलेक्ट्री कचहरी, जौनपुर पर 17, 18 एवं 19 जुलाई 2025 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक कैंप आयोजित किया जायेगा। इसकी निगरानी हेतु अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-प्रथम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

रॉयल्स टाइम की तरफ से थाना अध्यक्ष गौराबादशाहपुर को किया गया सम्मानित

गौराबादशाहपुर ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्रीय पत्रकारों द्वारा थाना अध्यक्ष गौराबादशाहपुर जौनपुर फूलचंद पांडे को उत्कृष्ट कार्यों एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आशा है कि आगे भी अपने अच्छे प्रदर्शन से जनता के बीच सम्मान के भागीदार बने रहेंगे। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, पंकज तिवारी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष सदानंद राय, बूथ अध्यक्ष अजय तिवारी, सियाराम विनीत शुक्ला, लाल बहादुर आदि लोग मौजूद रहे।

गौराबादशाहपुर पुलिस ने 3 वारंटियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर के नेतृत्व में थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय जौनपुर द्वारा मुकदमा नं0 1104/13 धारा 323/325/504 भा0द0वि0 में जारी वारण्टी के क्रम में वारण्टी आरोपीगण 1.बैजनाथ पुत्र स्व0 फिरतु ग्राम महिमापुर कुण्डी थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 50 वर्ष 2.आकाश पुत्र स्व0 फिरतु ग्राम महिमापुर कुण्डी थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर को उनके घर से समय 07.10 बजे व मा0 न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवारीक न्यायालय प्रथम जनपद आजमगढ जारी स्थाई वसुली वारण्ट संम्बंधित मुकदमा नं0 387/2019 धारा 128 सी0आरपी0सी0 से सम्बन्धित वारण्टी रविन्द्र चौहान पुत्र लल्लन उर्फ लाला चौहान ग्राम जमुवारी थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 41 वर्ष को उनके घर से समय 08.10 बजे दिनांक 13.07.2025 को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

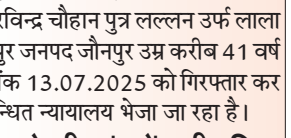

रात के अंधेरे में भीषण चोरी, मामले की जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा बारा में शनिवार की रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना रात लगभग 11:30 बजे से 1:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। घर वालों की जब नींद खुली तो टूटा ताला और बिखरा मिला सामान देख सभी भौचक्के रह गए। पीड़ित समित कुमार सिंह ने बताया कि रात करीब 1:24 बजे जब उनकी नींद खुली, तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी और रात में ही शिकायत दर्ज कराई। चोरी गए गहनों और नकदी के बारे में भुगतभोगी ने बताया कि, चोरी गए सामान में 4 सोने की अंगूठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायल, 1 मंगलसूत्र, 5 जोड़ी सोने की बालियां, 2 सोने के झुमके और 1 पेटी शामिल है। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह क्षेत्राधिकारी बदलापुर विवेक सिंह और थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। थानाध्यक्ष सुजानगंज ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है पुलिस की कोशिश है कि जल्द आरोपी चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

कोल्ड स्टोरेज में लगी आग नौ घण्टे में बुझी आग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चांदपुर मड़ियाहूं रोड निकट बालू मंडी में स्थित विश्वनाथ सेठ कोल्ड स्टोरेज एंड इंडस्ट्रीज (निष्प्रयोज्य) में आग लग गयी। इसकी सूचना लोगो ने अग्निशमन को मिली तो तत्काल दो फायर टैंकर घटनास्थल पर पहुंचा। इस दौरान आग निष्प्रयोज्य घोषित कोल्डस्टोरेज में तीव्र गति से जल रही थी। तत्काल एफएस चौकियां यूनिट द्वारा आग को दो तरफ से घेर कर बुझाना प्रारम्भ किया गया तथा फायर टैंकर का पानी खत्म होने पर एक अतिरिक्त टैंकर फायर स्टेशन से और मंगाया गया तथा टैंकर का पानी खत्म होने पर संस्थान के समर्सिबल पम्प व पास स्थित प्राइवेट संस्थानों में स्थित हाइड्रेंटो से पानी भरकर लाकर लगभग नौ घंटे से दो टैंकर की सहायता से आग बुझाने का कार्य किया गया।

कोल्डस्टोरेज में कई दिनों से डिमालिस का कार्य लापरवाही तरीके से किया जा रहा है जिससे आग लग जा रही है। पूर्व में भी दिनांक 10 जुलाई को भी कोल्डस्टोरेज में गैस कटर से कटिंग करते समय लकड़ी व धान की भूसी में आग लग गई थी जिसे फायर स्टेशन चौकियां द्वारा कड़ी मेहनत करके बुझाया गया था। उक्त संस्थान के मालिक अजीत सेठ तथा ठेकेदार सुरेश गुप्ता व कमलेश यादव मोबाइल द्वारा डिमालिस का कार्य किया जा रहा।

बिजली विभाग की लापरवाही, एक सप्ताह बाद बदला गया फुंका हुआ ट्रासफार्मर

आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के ग्राम बरंगी प्रताप नगर श्याम लाल कोटेदार के घर के सामने एक सप्ताह पूर्व जले ट्रांसफार्मर रविवार को बदले जाने से लोगो ने राहत की सास ली। कुछ समाजसेवी व ग्रामीणों ने उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के सह संपादक डॉ.इम्तियाज अहमद से दूर संचार के माध्यम से सम्पर्क किया और अपनी समस्या को विस्तार से बताया। उत्तरशक्ति न्यूज ग्रुप ने एक्स पर पोस्ट डाल कर समस्या के बारे में अधिकारियों को अवगत कराया और ग्रामीणों द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी।

प्रतापनगर मोहल्ले वासियो का कहना था कि ट्रांसफार्मर दस के वी का है और कनेक्शन लगभग 30 है ।इसी वजह से बार बार ट्रांसफार्मर जल जाता है भविष्य में ट्रांसफार्मर 25 के वी का नहीं लगा तो आए दिन इस तरह की समस्या बनी रहेगी। सोंगर फि टर के जे ई अभी दो दिन पहले आए हुए है। पहले वाले जे ई का ट्रांसफर हो गया था। नए जेई ने चार्ज नहीं संभाला था ।बादशाही फि टर के जे ई ने दस केवी के ट्रांसफार्मर के लिए कागजी करवाई करके रविवार को ग्राम सभा बरंगी प्रतापनगर के कुछ लोगो को जौनपुर जाने को कहा, ग्रामीणों के जाते ही तुरंत उन्हें दूसरा ट्रांसफार्मर मिल गया इस तरह से हफ्तों का अंधेरा दूर हो गया और उमस भरी गर्मी और पानी की समस्या से लोगों को राहत मिली ।सवाल अब यह उठता है कि जब ग्रामीणों को ही अपने जेब के खर्च पर जौनपुर हाइडिल से ट्रांसफार्मर लाना है तो फिर इतनी देरी क्यों की जाती है।

ग्रामीणों कहना है था बिजली की बिल भी हम जमा करे और जरूरत पड़ने पर पैसा भी हम खर्च करे। मौके पर ग्राम वासी संतोष कुमार यादव, श्यामलाल, सिकन्दर यादव, राजेश यादव, दिनेश यादव, अखिलेश यादव अशोक यादव, बाकेलाल यादव आदि ने बताया कि शिकायत के एक सप्ताह बाद ट्रांसफार्मर को बदला गया है और हम लोग अपने साधन से लेकर आए है।

तीन निजी अस्पतालों को भेजा नोटिस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील में स्वास्थ्य सेवाओं की आड़ में लापरवाही व बिना पंजीकरण के अस्पताल संचालन अब नहीं चलेगा। केराकत तहसील क्षेत्र के तीन निजी अस्पतालों को नोटिस भेजा गया है। ये सभी अस्पताल बिना किसी वैध कागजात व स्वास्थ्य विभाग की अनुमति के संचालित हो रहे थे। केराकत के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.अरुण कनौजिया ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर उन्होंने तीन निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में न तो मानक के अनुरूप चिकित्सकीय व्यवस्था पाई गई और न ही पंजीकरण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सके। कई स्थानों पर अप्रशिक्षित स्टाफ और अनुपयुक्त दवाएं भी पाई गई। डॉ.कनौजिया ने बताया कि जिन अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेज और पंजीकरण प्रस्तुत करना होगा। ऐसा न करने पर अस्पतालों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया जाएगा और संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिना पंजीकरण के अस्पताल संचालन अब नहीं

चिकित्सा अधीक्षक डॉ.अरुण कनौजिया ने बताया कि तीन अस्पतालों की जांच की गई, जहां मानक नहीं पाए गए। उनको नोटिस जारी कर बंद करने की चेतावनी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ऐसे अवैध अस्पतालों और क्लीनिकों की जांच कराएगा।

काशी की बेटी ने अमेरिका में बढ़ाया मान, जीता स्वर्ण पदक

◆ **केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने किया सम्मानित**

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद की बेटी नें अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाली इंटरनेशनल खिलाड़ी ममता पाल का वाराणसी आगमन पर भव्य स्वागत हुआ। उनके घर पहुंचने पर आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने स्वयं ममता पाल को माला पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सचिव उदय प्रताप प्रधान के नेतृत्व में बढ़नी खुर्द गांव में कार्यक्रम आयोजित हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ममता पाल की उपलब्धि न केवल उनके परिवार की, बल्कि पूरे जिले, प्रदेश और देश के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नारी शक्ति' के सपने को साकार किया है और ऐसी प्रतिभावान महिलाओं को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। ममता के वाराणसी आगमन पर कैंट रेलवे स्टेशन से उनके गांव तक विजय यात्रा निकाली गई। समर्थकों ने तिरंगा झंडा लहराते हुए ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उनका स्वागत किया। यह काफिला रोहनिया, मोहनसराय, मातलदेई होते हुए उनके गांव बढ़नी खुर्द पहुंचा, जहां ममता ने सबसे पहले अपने माता-पिता और गुरुजनों के चरण छूकर आशीर्वाद लिया। समारोह में कई जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भी भाग लिया, जिनमें रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल, एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव उदय प्रताप प्रधान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल, प्रवेश पटेल, डॉ. नरेंद्र पटेल, जिला पंचायत सदस्य दर्शन यादव, कोच डॉ. आर. के. पाल और अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे। इस सम्मान समारोह और जनसमर्थन ने साबित कर दिया कि ममता पाल आज हर युवा और महिला के लिए प्रेरणास्त्रोत और मार्गदर्शक बन चुकी हैं।

फर्जी मुकदमे से नहीं दबेगी कलम, सच के लिए जंग जारी रखेंगे: पत्रकार तामीर हसन शीबू

एक चिकित्सक द्वारा दर्ज कराया गया फर्जी मुकदमा, निष्पक्ष पत्रकार की छवि धूमिल करने का प्रयास लेकिन सच की आवाज को दबा पाना नामुमकिन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जब किसी पत्रकार की लेखनी जनहित में सवाल उठाने लगे, जब उसकी सच्चाई सत्ताधारी वर्ग की आंखों की किरकिरी बनने लगे, और जब उसका नाम जन-जन की जुबान पर आने लगे तब कई बार झूठ का सहारा लेकर साजिशें रची जाती हैं। ऐसा ही एक मामला तब सामने आया जब एक चिकित्सक द्वारा पत्रकार तामीर हसन शीबू के खिलाफ एक फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया।

यह मुकदमा स्पष्ट रूप से एक ईमानदार, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकार की छवि को धूमिल करने का प्रयास प्रतीत होता है। मगर यह भी उतना ही स्पष्ट है कि झूठे आरोपों और कागजी हमलों से न तो पत्रकारिता की आत्मा को मारा जा सकता है, और न ही सच की आवाज को खामोश किया जा सकता है। पत्रकार तामीर हसन शीबू ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,यह मुकदमा मेरे लिए रुकावट नहीं बल्कि उस रास्ते की पुष्टि है, जिस पर मैं सच और जनहित के लिए चल रहा हूं। मैं डरने वाला नहीं हूं। झूठ के पर्दे को हर बार सच की रोशनी फाड़ती रही है और आगे भी फाड़ेगी। जनता भी अब समझने लगी है कि जब सत्ताधारी या प्रभावशाली लोग पत्रकारों के खिलाफ झूठे मुकदमे दायर करते हैं, तो यह दरअसल उनकी असहिष्णुता, बौखलाहट और पराजय का प्रतीक होता है। इतिहास गवाह है कि कलम को जितनी बार डराने की कोशिश की गई, वह उतनी ही बुलंद होकर उठी है। पत्रकारिता कोई अपराध नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ है और इस रीढ़ को झुकाने वाले अक्सर खुद समय के सामने झुक जाते हैं।

वसईकरों के हक की लड़ाई और भी मजबूती के साथ

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी की वसई विधायक स्नेहा दुबे द्वारा विधानमंडल में वसईकरों के अधिकारों की पुरजोर आवाज उठाने के प्रयासों की पूरे वसई क्षेत्र में सराहना की जा रही है। इन्हीं प्रयासों को मान्यता देते हुए, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सभी मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों और समर्पित कार्यकताओं ने वसई पश्चिम स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। यह समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह उस दायित्व, समर्पण और संघर्ष का सम्मान था जिसे स्नेहा दुबे ने जनता के लिए निभाया है और आगे भी निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर, विधायक स्नेहा दुबे ने सभी उपस्थित कार्यकताओं और पदाधिकारियों को विधानमंडल के कार्यप्रणाली से अवगत कराया और यह साझा किया कि वे किस तरह एक जनप्रतिनिधि के रूप में वसईकरों की समस्याओं को सुनने, समझने और समाधान तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

गणेश चंद्र बाल हुए जिला परिषद 31 के विजई प्रत्याशी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गतमहाराजगंज. स्थानीय अनुमंडल की निर्वाचित पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह, ने बताया कि सीवान के पूर्व जिला परिषद सदस्य चंद्रिका राम की मृत्यु के बाद क्षेत्र संख्या 31 में पुनः उप चुनाव हुआ था। जिसकी मतगणना आज संपन्न हुई. महाराजगंज के एसडीओ अनीता सिंह ने विजय प्रत्याशी गणेश चंद्र बाल को विजई होने का प्रमाण पत्र दिया। गणेश चंद्र बाल को फूल मत 12 हजार एक सौ प्राप्त हुआ, वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी अजय माझी को मात्र 3502 मत प्राप्त हुए थे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए होगा देशव्यापी आंदोलन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए फिर व्यापक आंदोलन की घोषणा की है। संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की रविवार को हुई ऑनलाइन बैठक में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन पर चर्चा की गई। इसके बाद आंदोलन का विस्तृत प्रस्ताव पास किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि सरकार लगातार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण कर रही है। सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है। इससे शिक्षक-कर्मचारियों में निराशा है। इसे देखते हुए शिक्षकों-कर्मचारियों ने व्यापक आंदोलन की घोषणा की है। इस क्रम में एक अगस्त को पूरे देश में सभी जिला मुख्यालयों पर पुरानी पेंशन बहाली के लिए रोष मार्च निकाला जाएगा। इसके बाद 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षक व कर्मचारी सामूहिक उपवास करेंगे। उन्होंने बताया कि 1 अक्तूबर को सोशल मीडिया एक्स पर अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 25 नवंबर को दिल्ली में रैली होगी। राष्ट्रीय महासचिव स्थित प्रज्ञा ने सरकार से निजीकरण समाप्त करने की मांग की। राष्ट्रीय सचिव डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि सरकार स्कूलों का मर्जर कर बच्चों को शिक्षा से वंचित कर रही है।

संगठन इसका हर स्तर पर विरोध करेगा। बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राजेश कुमार, शांताराम तेजा, वरुण पांडेय, अमरीक सिंह, प्रेमसागर, परमानंद डहरिया आदि शामिल हुए। बैठक में एक अगस्त को देश भर मे रोष मार्च निकालने और पांच अगस्त को सामूहिक उपवास करने की योजना बनी। संगठन ने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की। इसके लिए एक अक्तूबर को एक्स पर अभियान चलाया जाएगा।

दो सगे भाइयों पर कुल्हाड़ी से हमला,आरोपी गिरफ्तार

मोहनलालगंज (उत्तरशक्ति)। मोहनलालगंज के जैतीखेडा गांव में बृहस्पतिवार की रात शराब के नशे में दो चचेरे भाईयों ने दो सगे भाईयों पर कुल्हाड़ी से हमलाकर घायल कर दिया था। घायलों का इलाज निजी अस्पताल मे चल रहा था जिसमें से एक घायल की मौत शनिवार की रात हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर छह लोगों के विरूद्ध केस दर्ज किया था। पुलिस ने रविवार को आरोपी चचेरे भाईयों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी रजनीश वर्मा के मुताबिक जैतीखेड़ा गांव में बृहस्पतिवार की रात लगभग बारह बजे चचेरे भाई गया प्रसाद व गनेश शराब के नशे में गाली-गालौज कर रहे थे। गाली-गालौज करने से रामू व इनके भाई दिनेश ने टोका तो दोनों चचेरे भाईयों ने अपने परिवार के कृष्ण, कुसुम, चन्द व किरन के साथ मिलकर लाठी व कुल्हाड़ी से हमलाकर दिया जिससे रामू व उसके भाई का सिर फट गया। पुलिस ने रामू की पत्नी रेनू की शिकायत पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। घायलों को इलाज के लिए बंथरा इलाके के निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया। शनिवार की रात इलाज के दौरान रामू की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को दोनों चचेरे भाईयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस घटना में हत्या की धारा बढाएगी।

मोटोरोला ने भारत में अपना नया स्मार्टफोन मोटो जी96 5जी लॉन्च किया

रांची (उत्तरशक्ति)। मोटोरोला ने भारत में अपना नया स्मार्टफोन मोटो जी96 5जी लॉन्च किया है, जो रुपये 20,000 से कम कीमत में प्रीमियम फीचर्स और शानदार डिजाइन के साथ पेश किया गया है। इसकी शुरूआती कीमत रुपये 17,999 रखी गई है। यह फोन 144 एचजेड 3डी कर्व्ड पोलेड डिस्प्ले, आईपी68 वाटर और डस्ट प्रोटेक्शन, और 50 एमपी ओआईएस सोनी लिटिया कैमरे जैसी खूबियों से लैस है। स्नैपड्रगन 7एस जेन2 प्रोसेसर और 5500 एमएएच की बैटरी इसे तेज परफॉर्मेंस और लंबी चलने वाली बैटरी का अनुभव बनाते हैं। मोटो जी96 5जी दो वैरिएंट्स 8 जीबी प्लस 128 जीबी और 8 जीबी प्लस 256 जीबी में उपलब्ध है। 8 जीबी प्लस 128 जीबी की कीमत 17,999रुपये तथा 8 जीबी प्लस 256 जीबी की कीमत 19,999 रुपये है। इसका आकर्षक वीगन लेदर डिजाइन चार पैनटोन-क्यूरेटेड रंगों (एश्ले ब्लू, ग्रीनर पास्चर्स, कैटलेया ऑर्किड और ड्रेस्डेन ब्लू) में पेश किया गया है। फोन की बिक्री 16 जुलाई से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी।

किड्स वाटिका इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान सह सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

पटना। किड्स वाटिका इंटरनेशनल स्कूल मीठापुर पटना में विज्ञान सह सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन शनिवार 12 जुलाई 2025 को किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं अभिभावकों में विज्ञान की प्रति रुचि को बढ़ाना है । नई-नई सोच- विचारों को , नई वैज्ञानिक खोज को ,सरल तरीके से सभी के लिए सुलभ कराना है। इस प्रदर्शनी में दूसरी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने वर्षा जल का संग्रहण, विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखी, बांध का मॉडल, बहुआयामी ग्रीन सिटी, उत्तम नगर की व्यवस्था, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, रक्त परिसंचरण तंत्र, दैनिक जीवन में अम्ल एवं क्षार के महत्व एवं उनकी जांच के विभिन्न तरीके, कम खर्च के मानव उपयोग के जरूरी समान, सौरमंडल की संरचना, जलवायु ,ध्वनिप्रदूषण ,नाभिकीय रिएक्टर की संरचना, विभिन्न प्रकार के सुरक्षा के यंत्र, एडवांस कार ,बाइक का मॉडल जैसे सैकड़ों मॉडल को प्रदर्शनी में लगाया । प्राइवेट स्कूल संगठन बिपाशा के अध्यक्ष श्रीमनोरथ महाराज, मिशन स्कूल के संचालिका स्नेहलता वर्मा, विभिन्न कोचिंग संचालकों का स्वागत विद्यालय के कोऑर्डिनेटर उमानाथ ने किया। विद्यालय के संचालक सह निर्देशक जितेंद्र कुमार ने उपहार देकर सभी विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया। विद्यालय की उपप्राचार्या संजू कमारी विज्ञान सह सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों आनंद कुमार, ओम कुमार, अंशुमन सर , राकेश कुमार बंटी कुमार एवं स्वाति कुमारी के साथ-साथ विद्यार्थियों के अभिभावकों, अन्य टीचिंग एवं नॉन टीचिंग कर्मचारी के बहुमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

प्राथमिक कन्या विद्यालय के वर्ग 2 की छात्रा के साथ छेड़खानी, महिलाओं ने आरोपी शिक्षक को पीटा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में, स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 के कन्या प्राथमिक विद्यालय के वर्ग दो की छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा छेड़खानी करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने स्थानीय थाना पुलिस को दी।

घटनास्थल पर पहुंचकर महाराजगंज थाना अध्यक्ष सुजीत कुमार गुप्ता ने आरोपी शिक्षक को हीरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाना ले गए। महिला एसआई राजनंदनी कुमारी व महाराजगंज थाना के इंस्पेक्टर संजीत कुमार दलबल के साथ पीड़ित छात्रा के घर जाकर सुरक्षित स्थान पर छात्रा व उसके माता का बयान दर्ज किया। घटनास्थल पर पहुंचकर एकत्रित लोगों से आरोपित शिक्षक को निलंबित करने का आश्वासन दिया। बताया जाता है कि राजकीय कन्या विद्यालय में एक महिला प्रधानाध्यापक व प्रतिनियुक्ति पुरुष शिक्षक के सहारे विद्यालय चलता था। प्रधानाध्यापिका का तबीयत पिछले एक सप्ताह से खराब चल रहा है, वे ईलाजरत है। विद्यालय आरोपी शिक्षक रामेश्वर शाह चलाते थे। पुलिस व शिक्षा विभाग हर एक बिंदु पर जांच कर रही है।

समाचार प्रेषित करने तक प्राथमिकी दर्ज होने की सूचना नहीं थी। बीइओ ने शिक्षक को निलंबित करने का दिया आश्वासन। घटना की सूचना पाकर महाराजगंज के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार उपाध्याय ने

नीलगाय को बचाने में पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो,दो युवकों की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बिंद्रा बाजार-मेहनगर मार्ग पर रविवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक स्कॉर्पियो नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से दोनों मृतकों के परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी मुताबिक गंभीरपुर थाना क्षेत्र के नगरइया जहानपुर गांव निवासी संतोष (28) स्कॉर्पियो से गांव के अपने दोस्त गोविंद यादव (22), कुद्दू परशुरामपुर गांव निवासी मुनीब यादव (22) व रसूलपुर माफी गांव निवासी बबलू (20) के साथ मेंहनगर के जाफरपुर किसी काम से गए थे। उधर से काम खत्म कर वह घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दोपहर लगभग दो बजे चेवारिया के पास पहुंचे तभी उनके वाहन के सामने अचानक नीलगाय आ गई, जिसे बचाने की कोशिश में चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

इस हादसे में गोविंद यादव और मुनीब यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि संतोष व बबलू भी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को पीएचसी मोहम्मदपुर पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक मुनीब यादव का विवाह मात्र 11 महीने पूर्व हुआ था। थाना प्रभारी बसंत लाल ने बताया कि दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक का नाले में गिरकर हुई थी मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ के ठाकुरगंज में बारिश से उफनाये नाले में गिरकर पेंटर सुरेश लोधी की मौत हो गई। रविवार को जब उनका शव राधा ग्राम योजना स्थित उनके घर लाया गया तो चीखपुकार मच गई। सुरेश की जिस नाले में गिरकर मौत हुई थी उसकी सफाई के दौरान लापरवाही बरती गई थी। आठ फुट गहरे नाले को साफ करने के बाद हटाए गए ढक्कन को दोबारा नहीं रखा गया था जिससे हादसा हो गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जब सुरेश का शव घर लाया गया तो परिजन चीत्कार उठे। इस दौरान भाजपा के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, विधायक नीरज बोरा, मेयर सुषमा खर्कवाल, जिलाधिकारी विशाख जी मार्चरी पहुंचे और परिजनों को चेक दिया। पूर्व पार्षद अनुराग पांडेय का कहना है कि ढाई महीने से शिकायत के बावजूद नगर निगम के अफसरों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नाले की खराब हालत को लेकर कई बार नगर निगम में शिकायत की।

साथ ही पार्षद से लेकर जोनल अधिकारी तक के दरवाजे खटखटाए, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। सुरेश का शव आते ही उनकी पत्नी रेनू बेसुध हो गई। बच्चों अंशिका (13), मयंक (11) व अंश (7) का रो-रोकर बुरा हाल था। मुहल्ले वालों ने बताया कि दिहाड़ी पर काम करने वाले सुरेश परिवार का एकमात्र सहारा हैं। उनके न मिलने पर परिवार पर संकट आ गया है। पिछले वर्ष बारिश के दौरान गोलागंज में जलभराव हो गया था। इस दौरान नहा रहा बच्चा नाली से बहकर बड़े नाले में पहुंच गया था।

आर के कान्वेंट स्कूल में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती मनायी गई

आजमगढ़। आर के कान्वेंट स्कूल में दक्ष आर्मी संगठन द्वारा महाराजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में अरुण कुमार प्रजापति तथा छात्र नेता मोहित प्रजापति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। विशेष अतिथियों में जिला पंचायत सदस्य, वार्ड नंबर 44 से जितेंद्र कुमार, रामसूरत, फूलचंद, विजय प्रजापति, सुनील, भोलानाथ प्रजापति, लालजीत प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति, प्रदीप कुमार, तथा रोहित यादव उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी के रूप में चंदन ने कार्यक्रम की कवरेज की जिम्मेदारी संभाली। कार्यक्रम का सफल संचालन और सम्मान समारोह राष्ट्रीय प्रमुख जनार्दन प्रजापति के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने महाराजा दक्ष प्रजापति जी के योगदानों को स्मरण करते हुए समाज में उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। समस्त सम्मानित नेता बंधुओं की उपस्थिति से समारोह गौरवमयी रहा।

अनुमंडल अस्पताल में जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा मनाया गया

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज, अनुमंडलीय अस्पताल महाराजगंज में उपाधीक्षक डॉ श्यामसुंदर कुमार, के निदेशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। जो 11/7/25 से 31 जुलाई 25 तक मनाया जाएगा। जिसमें क्षेत्र की जनता को परिवार नियोजन की आवश्यक जानकारी परामर्शदाता देवेन्द्र सिंह बाघेल, के द्वारा विभिन्न प्रकार के उपलब्ध उपायों/ विधियों जैसे अस्थाई पीपीयूसीडी , आईयूं,पीए आई यू सीडी , अंतरा, छाया, माला एन,ई सी पी, निरोध एवम्-स्थाई विधि में पुरुष नसबंदी एवं महिला बंध्याकरण आदि सेवाएं मुफ्त में प्रदान की जाएगी । इसके लिए अस्थाई विधि सोमवर से रविवार एवं स्थाई विधि मंगलवार, बुधवार एवं शुक्रवार को विशेषज्ञ महिला चिकित्सक डॉ बिल्किश इमरान एवं डॉ कौमुदी राज एवं जेनरल सर्जन डॉ प्रदीप कुमार सुमन के द्वारा दी जाएगी। शुक्रवार को जनसंख्या स्थिरता दिवस पर डॉ प्रदीप कुमार सुमन सामान्य विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उपस्थित आम जनता को परिवार नियोजन की विभिन्न जानकारियों को साझा किया गया। परिवार नियोजन परामर्श देवेन्द्र सिंह बाघेल, द्वारा सभी को सीमित परिवार होने के फायदे बताया गया, एवं सही समय पर साधनों को अपनाने की सलाह दी गई।

ब्राइट फ्यूचर करियर इंस्टिट्यूट ने अपना आठवां स्थापना दिवस मनाया

मीठापुर पटना। ब्राइट फ्यूचर करियर इंस्टिट्यूट ने अपना आठवां स्थापना दिवस11 जुलाई 2025 दिन शुक्रवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर डॉ गणेश महतो, वार्ड 15 के पार्षद शशि भूषण, आर के डी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर जगन्नाथ गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष छात्र जदयू के डॉक्टर राधेश्याम, विधान पार्षद डॉक्टर मदन मोहन झा, छात्र प्रदेश जदयू के उपाध्यक्ष जयंत झा, प्रख्यात शिक्षाविद् कुमार पीयूष राज , प्रयोग के साथ विज्ञान सिखाने वाले प्रख्यात शिक्षक उमानाथ सर की गरिमामय उपस्थिति के साथ-साथ बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों की रही। संस्थान के संस्थापक एक सिंह ने अपने उद्बोधन में अपनी 8 वर्षों की यात्रा को साझा करते हुए सभी सहयोगियों एवं शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया, और कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों , शिक्षकों एवं अभिभावकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतिया के साथ-सा द मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स ने स्वास्थ्य मेला 2025 में दर्ज कराई सक्रिय भागीदारी

पटना (उत्तरशक्ति)। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य मेला 2025 में अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स ने अपनी प्रभावशाली भागीदारी दर्ज कराई। दो दिवसीय आयोजन के उद्घाटन अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, अपर मुख्य सचिव अमृत प्रत्यय, कार्यपालक निदेशक एसएचएसबी सुहर्ष भगत एवं पीपीपी प्रभारी राजेश कुमार सहित सहित अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स के मुख्य संचालन अधिकारी सुधाकर राव ने इस अवसर पर कहा कि संस्था राज्य में गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने जानकारी दी कि,अब तक बिहार में 3.26 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र पूरे किए जा चुके हैं, 5,000 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं तथा राज्य के विभिन्न जिलों में 19 डायलिसिस क्लिनिक कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी बताया कि, दूरवर्ती क्षेत्रों तक सेवा पहुंचाने के लिए डायलिसिस ऑन व्हील्स योजना जल्द शुरू की जाएगी, जिसके तहत राशन कार्ड धारकों को मोबाइल यूनिट के माध्यम से निःशुल्क सेवा प्रदान की जाएगी। समारोह के दौरान अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स द्वारा एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें निःशुल्क नेफ्रोलॉजिस्ट परामर्श, रक्तचाप और मधुमेह जांच, तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स, बिहार सरकार के साथ मिलकर, राज्य में हर नागरिक को सुलभ, समर्पित और गुणवत्तापूर्ण किडनी देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है।

कार ने मारी टक्कर बाइक सवार मासूम की मौत

जहानागंज,आजमगढ़ । थाना क्षेत्र के भैंसही नदी के पास जहानागंज-गाजीपुर मार्ग पर शुक्रवार रात आठ बजे एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जहानागंज थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि दुर्घटना में बाइक पर बैठी सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन और मामा घायल हो गए। परिवार के सदस्य बाजार से चाऊमीन खाकर घर लौट रहे थे। वहीं घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। जहानागंज थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी शिवचंद पासवान की नतिनी अनन्या (7) बहन शिवांगी (9) और मामा सूरज के साथ बाइक से बाजार गई थी। बाजार में वह चाऊमीन खाकर घर लौट रहे थे। वह जैसे ही जहानागंज थाना क्षेत्र के भैंसही नदी के पास जहानागंज-गाजीपुर मार्ग पर पहुंचे तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी।